तापमान

अधिकतम 25 .7 डिग्री
न्यूनतम 6 .3 डिग्री

हरिभूमि
जीटी रोड भूमि

रोहतक, रविवार, 14 दिसंबर 2025

12 नवोदय परीक्षा: 2217 बच्चों ने दिया पेपर व 755 गैरहाजिर

12 राष्ट्रीय लोक अदालत में 21027 केस निपटाए

खबर संक्षेप

खजूरी में 7 किसानों के ट्यूबवेल से चुराईं मोटरें

यमुनानगर। गांव खजूरी में चोरों ने बीती रात सात किसानों के ट्यूबवेल से मोटरें चोरी कर ली। पुलिस ने मामले की जांच के बाद अज्ञात चोरों के खिलाफ केस दर्ज कर कार्रवाई शुरू कर दी। जानकारी के अनुसार गांव खजुरी निवासी अनिल कुमार ने जठलाना पुलिस थाने में दी शिकायत में बताया कि वह 11 दिसंबर को देर शाम खेतों से काम खत्म करके अपने घर आ गए था। सुबह जब वह खेतों में गए तो उसके ट्यूबवेल के कमरे का ताला टूटा हुआ था और अंदर से मोटर गायब थी। जांच करने पर पता चला कि चोरों ने गांव के ही देवेंद्र, नीरज चौहान, पवन कुमार, राजेश कुमार व संजय कुमार के खेतों से भी ट्यूबवेल की मोटर चोरी कर ली है। उसने चोरी की सूचना पुलिस को दी।

पुलिस से धक्कामुक्की कर आरोपी को भगाया

यमुनानगर। सारण में आरोपी को पकड़ने गई आर्थिक अपराध शाखा यमुनानगर पुलिस टीम के साथ धक्का मुक्की करके दो व्यक्ति एक आरोपी को छुड़वाकर अपने साथ भगा ले गए। पुलिस ने तीनों आरोपियों के खिलाफ केस दर्ज कर कार्रवाई शुरू कर दी।

जानकारी के अनुसार जिला पुलिस की आर्थिक अपराध शाखा में तैनात एएसआई हरिंदर सिंह ने थाना छप्पर पुलिस को दी शिकायत में बताया कि वह गांव सारण निवासी देशराज को सुबह 10 बजे अपराधिक मामले में गिरफ्तार करने के लिए गए थे। जब उन्होंने आरोपी देशराज को हिरासत में लिया तो वहां पर आशू व मोनू आ गए। आरोपियों ने उनके साथ धक्का मुक्की तथा हाथापाई कर आरोपी देशराज को छुड़ा लिया।

डाइट प्राचार्या नीलम ने ग्रहण किया पदभार

पानीपत। डाइट प्राचार्या नीलम कुंडू के पद ग्रहण पर उन्हें पौधा भेंट किया गया और डाइट प्रांगण में पौधरोपण किया गया। जिला मौलिक शिक्षा अधिकारी सुभाष भारद्वाज ने कहा कि नीलम कुंडू बहुत ईमानदार और कर्मठ अधिकारी हैं। उन्होंने प्राचार्या, बीइओ, डीपीसी आदि पदों पर निष्ठा के साथ कार्य किया। वहीं उप जिला शिक्षा अधिकारी सुनीता कादियान व खंड शिक्षा अधिकारी जयपाल सरोहा ने कहा कि डाइट प्राचार्या नीलम कुंडू मेहनती और कुशल अधिकारी हैं। वहीं प्राचार्या नीलम कुंडू ने कहा कि हमारा मुख्य उद्देश्य जिले को निपुण बनाना है। पानीपत कब डीओसी हरिओम ने बताया कि हम टीचर्स ने मिलकर ओम ग्रीन कमेटी बनाई है जो हर शुभ अवसर पर पौधरोपण करती है।

1271 कर्मचारियों को हरियाणा कौशल रोजगार निगम से जोड़ने की मांग

सीएम आवास पर प्रदर्शन व गिरफ्तारी के बाद कर्मचारियों ने धरना किया शुरू

- अनुबंध कर्मचारी हेल्थकेयर रोहतक एसोसिएशन ने सीएम से मिलने की मांग की, गुरनाम सिंह चढूनी ने दिया समर्थन

हरिभूमि न्यूज ▶▶ कुरुक्षेत्र

अनुबंध कर्मचारी हेल्थकेयर रोहतक एसोसिएशन ने 1271 कर्मचारियों को हरियाणा कौशल रोजगार निगम से जोड़ने की मांग को लेकर कुरुक्षेत्र के थीम पार्क के समीप धरना शुरू कर दिया है। धरनारत एसोसिएशन के कर्मचारी मुख्यमंत्री से मिलने की मांग कर रहे हैं। गत वीरवार को अनुबंध कर्मचारी हेल्थकेयर रोहतक एसोसिएशन के कर्मचारियों ने सीएम आवास पर प्रदर्शन किया था जिसके बाद पुलिस ने उन्हें हिरासत में ले लिया था और रोहतक छोड़ दिया था। मुख्यमंत्री से मिलने की मांग को लेकर सभी कर्मचारी शुक्रवार को दोबारा कुरुक्षेत्र पहुंचे, जहां पुलिस ने दिनभर सभी कर्मचारियों को पुलिस लाइन में बैठाए रखा। अब शनिवार से इन कर्मचारियों ने थीम पार्क के समीप धरना शुरू कर दिया है।

धरने पर बैठे कर्मचारियों ने सरकार के खिलाफ नारेबाजी कर अपना रोष जताया। एसोसिएशन के प्रधान अभिषेक ने बताया कि एसडीएम करनाल ने उन्हें एक सप्ताह के अंदर मुख्यमंत्री से मिलाने का आश्वासन दिया है। उन्होंने चेतावनी दी कि यदि एक सप्ताह तक मुख्यमंत्री से नहीं मिलाया जाता को उनका प्रदर्शन उग्र रूप धारण कर लेगा जिसकी जिम्मेदारी प्रशासन की होगी। वहीं, धरनारत कर्मचारियों के बीच भारतीय किसान यूनियन के राष्ट्रीय अध्यक्ष गुरनाम सिंह चढूनी ने पहुंचकर अपना समर्थन देते हुए कहा कि मुख्यमंत्री को इन कर्मचारियों की बात एक बार अवश्य सुन लेनी चाहिए।

कुरुक्षेत्र। सरकार के खिलाफ नारेबाजी करते कर्मचारी।

जून से हड़ताल पर हैं पीजीआई कर्मचारी

उल्लेखनीय है कि जून महीने से रोहतक पीजीआई में काम करने वाले 1271 अनुबंध कर्मचारी हड़ताल पर हैं। दो महीने तक करनाल जिला सचिवालय के सामने भी धरना जारी रहा। अब ये कर्मचारी पैदल मार्च निकालते हुए कुरुक्षेत्र पहुंचे हैं। 1271 कर्मचारियों को हरियाणा कौशल रोजगार निगम से जोड़ने की मांग की जा रही है। एसोसिएशन का कहना है कि यह मांग जायज है। सरकार ने अन्य विभागों के हजारों कर्मचारियों को एचकेआरएन से जोड़ा है। रोहतक पीजीआई में अनुबंध आधार पर काम कर रहे कर्मचारियों के साथ ही भेदभाव क्यों किया जा रहा है। इस अवसर पर अभिषेक, महेश, ईश्वंती, संजय, सुरेंद्र, प्रदीप, अजीत, बलराज, सतीश, दिलबाग, देवेंद्र, अनीता, सुमित्रा, रीना, पूनम, सुमन, अभिमन्यु व वजीर सहित बड़ी संख्या में कर्मचारी शामिल रहे।

ग्रामीण ट्यूबवेल ऑपरेटरों ने सौंपा ज्ञापन

करनाल। विधानसभा अध्यक्ष हरविंद्र कल्याण को ज्ञापन सौंपते ग्रामीण ट्यूबवेल ऑपरेटर संगठन के पदाधिकारी।

हरिभूमि न्यूज ▶▶ करनाल

पब्लिक हेल्थ ग्रामीण ट्यूबल ऑपरेटर ऑर्गेनाइजेशन हरियाणा (संबंधित भारतीय मजदूर संघ) के प्रदेश व जिला कार्य समिति के सदस्य अपनी विभिन्न मांगों को लेकर विधानसभा अध्यक्ष हरविंद्र कल्याण से घरौंडा स्थित उनके कार्यालय में मिले। इस दौरान संगठन की ओर से ग्रामीण ट्यूबवेल ऑपरेटरों की समस्याओं को लेकर ज्ञापन सौंपा गया।

ज्ञापन में मांग की गई कि ग्रामीण ट्यूबवेल ऑपरेटरों को कौशल रोजगार निगम में पोर्ट किया जाए, जिसकी स्वीकृति मुख्यमंत्री द्वारा पहले ही दी जा चुकी है। कौशल रोजगार निगम से संबंधित फाइल काफी समय से वित्त विभाग में विचाराधीन है, जिसे शीघ्र स्वीकृति दिलाई जाए। इसके साथ ही ग्रामीण ट्यूबवेल ऑपरेटरों को जन स्वास्थ्य विभाग में समायोजित करने, आठ घंटे की ड्यूटी ट्यूबवेल पर ही लेने तथा पंचायत और पब्लिक हेल्थ दोनों विभागों में ड्यूटी देने की व्यवस्था समाप्त करने की मांग रखी गई। इसके अलावा ग्रामीण ट्यूबवेल ऑपरेटरों का लंबे समय से लंबित एरियर भी शीघ्र दिलवाने की मांग की गई। विधानसभा अध्यक्ष हरविंद्र कल्याण ने प्रतिनिधिमंडल को सभी मांगों को शीघ्र पूरा कराने का आश्वासन दिया।

इस अवसर पर प्रदेश उपाध्यक्ष जयप्रकाश, प्रदेश सह-कोषाध्यक्ष ओंकार सिंह, हुकुम सैनी, संदीप, मुकेश कुमार, बलबीर और प्रीतम सहित अन्य पदाधिकारी उपस्थित रहे।

श्री गुरु रविदास मंदिर के चुनाव स्थगित होने से भड़के लोग

कुरुक्षेत्र। समाज के लोगों ने अशोक अरोड़ा को सौंपा ज्ञापन।

- विधायक अशोक अरोड़ा को ज्ञापन सौंपकर विधानसभा में मुद्दा उठाने की मांग की

हरिभूमि न्यूज ▶▶ कुरुक्षेत्र

श्री गुरु रविदास मंदिर एवं धर्मशाला सभा के शासकीय व गवर्निंग बॉडी के चुनाव बार-बार स्थगित होने के चलते समाज के लोगों में भारी रोष है। इसे लेकर समाज के लोगों ने शनिवार को रविदास मंदिर में बैठक कर प्रशासन के प्रति रोष जताया। बैठक में समाज के लोगों ने फैसला लिया कि इस बारे में स्थानीय विधायक अशोक अरोड़ा से मुलाकात कर उनसे इस मुद्दे को विधानसभा में उठाने की मांग की जाए। जिसके बाद समाज के लोगों ने विधायक अशोक अरोड़ा से मुलाकात कर कमेटी के चुनाव जल्द करने और मुद्दा विधानसभा में उठाने के लिए मांग पत्र सौंपा। अशोक अरोड़ा ने समाज के लोगों को आश्वासन दिया है कि उनकी इस मांग को आने वाले विधानसभा सत्र में उठाकर कमेटी के चुनाव जल्दी करने की मांग की जाएगी।

पूर्व प्रधान सूरजभान नरवाल व पूर्व नगर पार्षद ओमप्रकाश ओपी ने बताया कि श्री गुरु रविदास मंदिर एवं धर्मशाला सभा के चुनाव बार-बार स्थगित किए जा रहे हैं जिसको लेकर समाज के लोगों में भारी रोष है। उन्होंने आरोप लगाया कि सरकारी तंत्र जानबूझकर कमेटी के चुनाव को स्थगित कर रहा है। जिससे मंदिर के प्रति आस्था रखने वाले समाज के लोगों की भावनाओं को ठेस पहुंच रही है। उनका कहना है कि श्री गुरु रविदास मंदिर शासकीय कमेटी बॉडी के चुनाव के लिए कई बार चुनावी शेड्यूल जारी किया गया, लेकिन बार-बार इसे स्थगित किया गया। जिसके चलते समाज के लोग काफी नाराज हैं ।

आंदोलन की चेतावनी

चुनाव लड़ने वाले इच्छुक प्रत्याशी भी बार-बार चुनाव स्थगित होने से काफी नाराज हैं। समाज के लोगों ने रोष प्रकट करते हुए चेतावनी दी कि अगर मंदिर कमेटी के चुनाव नहीं कराए गए तो वे धरना प्रदर्शन और आंदोलन करने से भी नहीं हिचकिचाएंगे। उनका कहना है कि मंदिर कमेटी के चुनाव करवाना लाजिमी है ताकि मंदिर के कार्यों को आगे बढ़ाया जा सके। इस मौके पर तारा चंद नरवाल, श्याम लाल अढोण, जोगी राम घराडसी, बलदेव सिंह चिब्बा, विजय कुमार, बचना राम, रमेश, बलबीर, सुभाष चंद, विजेंद्र, उमेद सिंह रंगा, दीपक कुमार व प्रभुदयाल आदि मौजूद रहे।

अम्बाला नगर निगम की वार्डबंदी में जनसंख्या को लेकर उठे सवाल

- न्यूनतम तीन लाख आबादी कानूनन जरूरी : एडवोकेट हेमंत
- वेबसाइट पर अम्बाला नगर निगम की जनसंख्या मात्र 2 लाख 56 हजार 337 दर्शाई

हरिभूमि न्यूज ▶▶ अम्बाला

अम्बाला नगर निगम की ताज़ा वार्डबंदी संबंधी प्राथमिक अधिसूचना प्रकाशित होने के बाद नगर निगम क्षेत्र की वास्तविक और आधिकारिक जनसंख्या को लेकर एक बार फिर सवाल खड़े हो गए हैं। पंजाब एवं हरियाणा हाईकोर्ट के अधिवक्ता एवं नगर निकाय कानून के जानकार हेमंत कुमार ने कहा है कि अम्बाला नगर निगम के आगामी आम चुनाव से पहले निगम क्षेत्र की न्यूनतम तीन लाख जनसंख्या का कानूनन पूरा होना अनिवार्य है।

प्रदेश के शहरी स्थानीय निकाय विभाग द्वारा शुक्रवार को हरियाणा नगर निगम वार्ड परिसीमन नियमावली, 1994 के नियम 9 के अंतर्गत अम्बाला नगर निगम क्षेत्र के 20 वार्डों के परिसीमन (वार्डबंदी) को लेकर प्राथमिक अधिसूचना जारी की गई है। इस पर जनता 18 दिसंबर तक आपत्तियां और सुझाव दे सकती है। उल्लेखनीय है कि अम्बाला नगर निगम के मौजूदा सदन का कार्यकाल 13 जनवरी 2026 को समाप्त हो रहा है। इस बीच एडवोकेट हेमंत कुमार ने गंभीर सवाल उठाते हुए कहा कि वर्तमान में शहरी स्थानीय निकाय विभाग की वेबसाइट पर अम्बाला नगर निगम की जनसंख्या मात्र 2 लाख 56 हजार 337 दर्शाई जा रही है, जबकि हरियाणा नगर निगम अधिनियम, 1994 के अनुसार किसी भी नगर निगम के अस्तित्व के लिए न्यूनतम तीन लाख जनसंख्या आवश्यक है। उन्होंने बताया कि इससे पहले 4 सितंबर 2025 को शहरी स्थानीय निकाय विभाग द्वारा प्रकाशित एक अधिसूचना में अम्बाला नगर निगम की जनसंख्या 2 लाख 71 हजार 68 दर्शाई गई थी। ऐसे में महज डेढ़ माह के भीतर जनसंख्या में करीब 15 हजार की गिरावट होना एक गंभीर और जांच का विषय है। एडवोकेट हेमंत ने यह भी कहा कि विभागीय वेबसाइट पर उपलब्ध आंकड़ों के अनुसार अम्बाला सदर (कैंट) नगर परिषद की जनसंख्या 2 लाख 68 हजार 976 दर्शाई गई है, जो अम्बाला नगर निगम से लगभग साढ़े 12 हजार अधिक है। जबकि इसी वर्ष मार्च माह में अम्बाला सदर में नगर परिषद के चुनाव कराए जा चुके हैं। उन्होंने बताया कि ये आंकड़े हरियाणा सरकार के नागरिक संसाधन सूचना विभाग (सिटीजन रिसोर्सेज इंफॉर्मेशन विभाग) से संबंधित हैं और 23 अक्टूबर 2025 तक अपडेट बताए जा रहे हैं।

वार्डबंदी के लिए मांगी आपतियां व सुझाव

अंबाला। नगर निगम कमीशनर विरेन्द्र लाठर ने जारी प्रेस विज्ञप्ति जारी कर बताया कि नगर निगम की वार्डबंदी की प्राथमिक अधिसूचना सरकार द्वारा जारी की जा चुकी है जिसके द्वारा 07 दिन की समय अवधि में आपत्तियां एवं सुझाव उपायुक्त अम्बाला के माध्यम से आमंत्रित किए जाते हैं। उन्होने जनसाधारण को अवगत करवाते हुए बताया कि इस वार्डबंदी की प्राथमिक अधिसूचना के बारे में यदि कोई आपत्तियां एवं सुझाव हैं तो वह दिनांक 18 दिसम्बर सांय 3 बजे तक नगर निगम अम्बाला व उपायुक्त अम्बाला के कार्यालय में दर्ज करवाने का कष्ट करें। निश्चित समय अवधि के उपरांत कोई भी आपत्ति व सुझाव दर्ज नहीं किए जाएंगे। वार्डबंदी की प्राथमिक अधिकसूचना नगर निगम अम्बाला की वैबसाईट पर नगर निगम कार्यालय व उपायुक्त कार्यालय में देखी जा सकती है।

विदेश भेजने के नाम पर 60 लाख की ठगी

मुलाना। विदेश भेजने और कनाडा में पीआर दिलाने के नाम पर एक व्यक्ति से करीब 60 लाख रुपये की ठगी का मामला सामने आया है। पीड़ित धर्मवीर सिंह निवासी गांव सालेहपुर ने पुलिस अधीक्षक अंबाला को शिकायत देकर आरोपियों के खिलाफ साजिश रचकर धोखाधड़ी करने का आरोप लगाया है। पीड़ित धर्मवीर सिंह ने बताया कि वह खेती-बाड़ी करता है और अपने भाइयों के साथ मिलकर टाइल बनाने की एक छोटी फैक्ट्री भी चलाता है। पिछले कुछ समय से खेती और फैक्ट्री में नुकसान होने के कारण उस पर आर्थिक दबाव बढ़ गया था। इसी दौरान गांव के ही बलजिंद्र सिंह ने उसे डेराबस्सी क्षेत्र के कुछ एजेंटों से मिलवाया, जिन्होंने उसे और उसकी पत्नी को कपल वीजा पर कनाडा भेजने और वहां पीआर करवाने का झांसा दिया।

आरोप है कि गुरमेल सिंह, प्रिंस उर्फ देविंद्र सिंह, संदीप, गगनदीप और एक अन्य व्यक्ति ने मिलकर धर्मवीर से अलग-अलग तारीखों में आरटीजीएस, नकद और चेक के माध्यम से कुल 60 लाख रुपये ले लिए। लेकिन तय समय पर न तो वीजा लगा और न ही विदेश भेजा गया। उसे केवल 1 लाख रुपये वापस किए। अब जान से मारने की धमकी भी दी गई।

मरणोपरांत रानी इंसा की आंखें की दान

- रानी इंसा की अंतिम यात्रा में बेटा बेटी एक समान के नारे को पूरा करते हुए तीनों बेटियों ने कंधा देकर एक मिसाल कायम की

हरिभूमि न्यूज ▶▶ पानीपत

मरणोपरांत भी रानी इंसा की आंखें दुनिया को देखती रहेंगी। दरअसल 11 वार्ड निवासी 48 वर्षीय रानी इंसा का गत दिवस बीमारी के चलते निधन हो गया। रानी इंसा डेरा सच्चा सौदा की कर्मठ सेवादार थीं व मानवता के कार्यों में हमेशा अग्रणी रहती थीं। इसके चलते उन्होंने जीते जी नेत्र दान का फार्म डेरा सच्चा सौदा में भरा हुआ था।

इसके चलते ही परिवारजनों द्वारा उनकी इच्छा को पूरा करते हुए मरणोपरांत उनकी आंखों का दान किया गया है। जहां दो नेत्रहीन व्यक्ति को आंखें लगाई जाएंगी। परिवार की इस पहल का सम्मान करते हुए जन सेवादल के सदस्यों ने उनको सम्मानित किया। वहीं रानी इंसा की अंतिम यात्रा में बेटा बेटी एक समान के नारे को पूरा करते हुए तीनों बेटियों ने कंधा देकर एक मिसाल भी कायम की। रानी इंसा अपने पीछे बेटे सावन इसां के अलावा तीन बेटीयां संजना, कोमल और काजल को छोड़ गई हैं।

पानीपत। रानी इंसा के नेत्रदान के बाद परिजनों को सम्मानित करते जन सेवा दल के सदस्य। फोटो : हरिभूमि

जरूरतमंद के लिए सतीश इंसा ने किया रक्तदान

पानीपत। डेरा सच्चा सौदा की शिक्षाओं से प्रेरित होकर जिले के ब्लॉक काबड़ी के सेवादार सतीश इंसा ने शाह सतनाम सिंह जी महाराज जी की स्मृति में जरूरतमंद मरीज के लिए एक यूनिट रक्तदान कर मानवता का फर्ज अदा किया। सतीश इंसा ने बताया कि दिसंबर का महीना डेरा सच्चा सौदा के परमपिता शाह सतनाम सिंह जी महाराज जी की याद में समर्पित है। आज उन्हीं के वचनों पर फूल चढ़ाते हुए रक्तदान करने का मौका मिला। उन्होंने बताया कि वधावा राम कॉलोनी के निवासी शुभम जो लीवर की बीमारी के कारण इसराना के एनसीसी मेडिकल कॉलेज में दाखिल हैं, को रक्त की आवश्यकता थी। सूचना मिलते एनसीसी कॉलेज में सतीश ने रक्त देकर शुभम के इलाज में मदद की।

सांवला पोलो ग्राउंड पर हुआ कुरुक्षेत्र के इतिहास का पहला पोलो मैच

सांसद नवीन जिंदल ने पांच गोल कर जितवाया पोलो मैच

सांसद नवीन जिन्दल की कप्तानी में कुरुक्षेत्र पोलो टीम ने कैथल को 7-4 से दी मात

हरिभूमि न्यूज ▶▶ कुरुक्षेत्र

सांसद खेल महोत्सव 2025 के तहत सांवला के पोलो खेल मैदान में कुरुक्षेत्र के इतिहास का पहला पोलो एग्जिबिशन मैच हुआ। इसमें कुरुक्षेत्र व कैथल जिला की टीमों की ओर से खिलाड़ियों ने हिस्सा लिया। कुरुक्षेत्र की टीम के कप्तान के रूप में सांसद नवीन जिन्दल रहे और कैथल की टीम में कप्तान की भूमिका प्रणव कपूर ने निभाई। फाइनल परिणाम में कुरुक्षेत्र की टीम ने 7-4 से जीत हासिल की। मैच में शानदार प्रदर्शन करते हुए नवीन जिन्दल ने पांच गोल करते हुए टीम की जीत में अहम भूमिका निभाई। मैच के बाद उपस्थित दर्शकों को संबोधित करते हुए सांसद नवीन जिन्दल ने कहा कि पोलो भारत की पूरे विश्व को तोहफे के रूप में देन है। पोलो का उदय भारत के मणिपुर के ग्रामीण क्षेत्र से ही हुआ। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का विजन है कि खेलों में भारत पूरी दुनिया में विश्व का नाम रोशन करें। इसी कड़ी में सरकार सांसद खेल महोत्सव का आयोजन करवा रही है।

कुरुक्षेत्र। पोलो मैच के दौरान भिड़ती कुरुक्षेत्र व कैथल की टीमें। फोटो : हरिभूमि

10 साल के शेरगिल ने दिखाया शानदार खेल

सांसद नवीन जिन्दल की कुरुक्षेत्र की टीम में वीर एस शेरगिल जो महज 10 साल आयु के खिलाड़ी हैं। वे भी दर्शकों के आकर्षण का केंद्र रहे। इसके अलावा महेश शर्मा व सिद्धांत शर्मा ने भी कुरुक्षेत्र की टीम के लिए बेहतरीन प्रदर्शन किया। वहीं कैथल टीम में प्रणव कपूर, अक्षय मलिक अभिनय और कृष्ण इंक्या शामिल रहे। मैच अंपायर की भूमिका सिमरन एस शेरगिल ने निभाई । विजेता खिलाड़ियों को ट्राफी देकर सम्मानित किया गया। इस अवसर पर हजारों दर्शकों और स्कूली बच्चों ने मैच का उठाया। मैच में विधायक पूंडरी सतपाल जांबा, जिलाध्यक्ष तेजेंद्र खैहरा गोल्डी, उपायुक्त विश्राम कुमार मीणा, पुलिस अधीक्षक नीतीश अग्रवाल व सुभाष कलसाना सहित हजारों दर्शक उपस्थित थे।

नशीला पदार्थ बेचते चार आरोपी गिरफ्तार

- आरोपियों के पास से बरामद हुई 13 .4 ग्राम हेराइन

हरिभूमि न्यूज ▶▶ यमुनानगर

थाना बूडिया पुलिस ने गांव हल्दरी में हेरोइन बेचते हुए चार युवकों को गिरफ्तार किया है। आरोपियों से 13.4 ग्राम हेरोइन बरामद हुई। पुलिस ने चारों आरोपियों के खिलाफ एनडीपीएस एक्ट के तहत केस दर्ज कर कार्रवाई शुरू कर दी।

जानकारी के अनुसार थाना बूडिया में तैनात एसआई जसविंदर सिंह ने पुलिस को दी शिकायत में बताया कि वह शाम को टीम के साथ गश्त कर रहा था। इस दौरान टीम को सूचना मिली थी कि गांव हल्दरी में कुछ युवक नशीला पदार्थ बेच रहे हैं। सूचना मिलते ही उसने टीम के साथ मौके पर पहुंचकर वहां संदिग्ध परिस्थितियों में घूम रहे युवकों को हिरासत में लेकर उनकी तलाशी ली तो उनके पास से 13.4 ग्राम हेरोइन बरामद हुई।

पूछताछ के दौरान आरोपियों की पहचान गांव हल्दरी निवासी वाजिद अली, फारूक, रुस्तम व ब्राह्मण माजरा निवासी राकेश कुमार के रूप में हुई। पुलिस ने चारों आरोपियों को गिरफ्तार कर उनके खिलाफ केस दर्ज कर उन्हें अदालत में पेश किया। जहां से उन्हें न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया।

खबर संक्षेप

दुकानदारों ने शीतला माता स्थल पर लगाया भंडारा

राढौर। राढौर के दुकानदारो द्वारा शनिवार को कस्बा के गीता बाजार खादी आश्रम के नजदीक स्थित शीतला माता के स्थल पर स्थान पर विशाल भंडारे का आयोजन किया। भंडारे में हजारों श्रद्धालुओं ने प्रसाद ग्रहण किया। श्रद्धालु एवं दुकानदार मुकेश अरोड़ा मक्की, गौरव गर्ग, सुनील कुमार, रवि, मन्नी, ओमप्रकाश चोपड़ा, सुरेंद्र चोपड़ा व दीपक मेहता आदि ने बताया कि सभी की सुख शांति की कामना को लेकर शीतला माता के स्थल पर हर वर्ष विशाल भंडारे का आयोजन किया जाता है। इसी क्रम में आज भी भंडारे का आयोजन किया गया। इससे पहले दुकानदारो ने लोगों ने पूजा अर्चना कर सभी की सुख शांति व भाईचारे की कामना की। सभी दुकानदार प्रेम से भंडारे में अपनी सेवाएं देते है।

सड़क पार कर रहे भाई बहन हादसे में घायल

यमुनानगर। जगाधरी के डिंपल सिनेमा के पास सड़क पार कर रहे भाई बहन को अज्ञात वाहन ने टक्कर मार दी। जिससे वह दोनों गंभीर रूप से घायल हो गए। दोनों घायलों का इलाज अस्पताल में चल रहा है। पुलिस ने मामले की जांच के बाद अज्ञात वाहन चालक के खिलाफ केस दर्ज कर कार्रवाई शुरू कर दी। जानकारी के अनुसार बागवाली कॉलोनी निवासी संजीव ने पुलिस को दी शिकायत में बताया कि उसकी बेटी किरण व लड़का परम 10 दिसंबर को रात साढ़े आठ बजे किसी काम से जा रहे थे। जब वह डिंपल सिनेमा के पास सड़क पार करने लगे तो तेज गति से आ रहे अज्ञात वाहन ने उन दोनों को टक्कर मार दी। टक्कर लगने से वह दोनों सड़क पर गिरकर गंभीर रूप से घायल हो गए। आरोपी वाहन चालक कुछ देर मौके पर रुकने के बाद वहां से फरार हो गया। आसपास के लोगों ने उन दोनों को अस्पताल में भर्ती करवाया।

स्वास्थ्य ठेका कर्मियों ने किया प्रदर्शन

यमुनानगर। स्वास्थ्य ठेका कर्मचारी यूनियन(संबंधित सर्व कर्मचारी संघ) के सदस्यों ने दो माह से वेतन नहीं मिलने के विरोध में शनिवार को जिला नागरिक अस्पताल स्थित ट्रामा सेंटर के बाहर प्रदर्शन किया। कर्मियों ने चेतावनी दी कि यदि जल्द ही उनका वेतन जारी नहीं किया गया तो ठेका कर्मचारी यूनियन आंदोलन को तेज कर देंगे, जिसकी जिम्मेदारी स्वास्थ्य विभाग की होगी।

गांव ऊंचा समाना में आत्मनिर्भर भारत संकल्प रथ यात्रा का किया स्वागत

हर घर स्वदेशी अपनाने से ही आत्मनिर्भर भारत का सपना होगा साकार : हरविंद्र

हरिभूमि न्यूज ▸▸ करनाल

करनाल। गांव ऊंचा समाना में आत्मनिर्भर भारत संकल्प रथ यात्रा का स्वागत करते विधानसभा अध्यक्ष हरविंद्र कल्याण व अन्य भाजपा नेता। फोटो : हरिभूमि

हरियाणा विधानसभा अध्यक्ष हरविंद्र कल्याण ने करनाल हलके के गांव ऊंचा समाना पहुंचने पर आत्मनिर्भर भारत संकल्प रथ यात्रा का स्वागत किया। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि हर घर स्वदेशी, घर-घर स्वदेशी का नारा केवल शब्दों तक सीमित न रहे, बल्कि इसे अपने व्यवहार में उतारने की जरूरत है।

विधानसभा अध्यक्ष ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के वर्ष 2047 तक भारत को विकसित राष्ट्र बनाने के संकल्प के साथ पूरा देश जुड़ा हुआ है। आत्मनिर्भर भारत तभी बन सकेगा जब हर व्यक्ति अपने पैरों पर खड़ा होगा और इसके लिए आपसी सहयोग आवश्यक है। उन्होंने अपील की कि उन्हीं वस्तुओं को खरीदें, जिनमें अपने देशवासियों की मेहनत और तपस्या जुड़ी हो। इससे मेहनतकशों को उचित दाम मिलेगा और उनका आत्मविश्वास बढ़ेगा। हरविंद्र कल्याण ने कहा कि स्वदेशी अपनाने से छोटे दुकानदार, व्यापारी और हाथ से काम करने वाला हर व्यक्ति आर्थिक रूप से मजबूत होगा, जिससे देश की अर्थव्यवस्था और ऊंचाइयों तक पहुंचेगी। उन्होंने हर घर स्वदेशी अभियान को मिलकर आगे बढ़ाने का आह्वान किया और कहा कि विकसित राष्ट्र के संकल्प को पूरा करने के लिए हर व्यक्ति को अपना योगदान देना होगा, जिसका फल निश्चित रूप से मिलेगा। इससे पहले भाजपा जिला अध्यक्ष प्रवीण लाठर ने भी लोगों से स्वदेशी वस्तुएं खरीदने की अपील की। विधानसभा अध्यक्ष ने यात्रा के पदाधिकारियों को शॉल ओढ़ाकर सम्मानित किया।

■ मेहनतकशों को उचित दाम मिलेगा तो उनका आत्मविश्वास

ये रहे मौजूद

इस मौके पर यात्रा संयोजक ऋषिपाल मथाना, पूर्व चेयरमैन निर्मल बैरागी, मेघराज, पूर्व विधायक नरेंद्र सांगवान, कलीराम पटवारी, घरौंडा नगर पालिका चेयरमैन हैप्पी लक गुप्ता, मार्केट कमेटी चेयरमैन राजकुमार पालीवाल, भाजपा नेता सुनील गोयल सहित विभिन्न मंडलों के अध्यक्ष व महामंत्री मौजूद रहे। इसके बाद यात्रा ऊंचा समाना से कोहंड के लिए रवाना हो गई।

---

23 को समारोह को लेकर गांव बसताड़ा में बैठक

जगद्गुरु ब्रह्मानंद जयंती को उत्सव के रूप में मनाएं

हरिभूमि न्यूज ▸▸ करनाल

करनाल। गांव बसताड़ा में जगद्गुरु ब्रह्मानंद जयंती को लेकर बैठक को संबोधित करते विधानसभा अध्यक्ष हरविंद्र कल्याण। फोटो : हरिभूमि

हरियाणा विधानसभा अध्यक्ष हरविंद्र कल्याण ने लोगों से अपील की कि वे जगद्गुरु ब्रह्मानंद जी की जयंती को उत्सव के रूप में मनाएं और 23 दिसंबर को कैथल जिले के चूहड़ माजरा में आयोजित होने वाले राज्य स्तरीय समारोह में अधिकाधिक संख्या में भाग लें।

विधानसभा अध्यक्ष गांव बसताड़ा स्थित आरपीआईआईटी कॉलेज में जयंती समारोह को लेकर आयोजित बैठक को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि यह खुशी की बात है कि हर महापुरुष की जयंती राज्य स्तर पर मनाने का निर्णय पूर्व मुख्यमंत्री मनोहर लाल के शासनकाल में लिया गया था, जिसे वर्तमान मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी आगे बढ़ा रहे हैं। इस वर्ष जगद्गुरु ब्रह्मानंद जी की जयंती उनकी जन्मस्थली चूहड़ माजरा में सरकारी स्तर पर मनाई जाएगी। हरविंद्र कल्याण ने कहा कि गुरु ब्रह्मानंद ने अपना संपूर्ण जीवन समाज को समर्पित किया। महापुरुष किसी एक बिरादरी के नहीं होते, बल्कि वे 36 बिरादरी और पूरी मानवता के होते हैं। उन्होंने कहा कि पहले छोटी बिरादरियों को जयंती मनाने के लिए मुख्य अतिथि तक ढूंढने में कठिनाई आती थी, लेकिन आज सरकारी आयोजनों में हर वर्ग की भागीदारी होती है। इसका उद्देश्य समाज को जोड़ना है, क्योंकि जोड़ने के लिए एक अच्छा विचार ही काफी होता है। गुरु ब्रह्मानंद दूरदर्शी संत थे, जिन्होंने वर्षों पहले नारी शिक्षा और पर्यावरण संरक्षण का महत्व बताया था, जिन पर सरकार आज गंभीरता से कार्य कर रही है। समारोह को सफल बनाने के लिए अलग-अलग समितियों का गठन किया गया है और लोगों से अपील की कि वे अपने आसपास के लोगों को भी अधिक से अधिक संख्या में समारोह में आने के लिए प्रेरित करें।

राजकीय महिला महाविद्यालय को मिली नई शैक्षणिक सौगात

हरिभूमि न्यूज ▸▸ करनाल

■ राजकीय महिला महाविद्यालय करनाल में नवनिर्मित पी.जी. ब्लॉक और मल्टी पर्पज हॉल का उद्घाटन कार्यक्रम

शनिवार को हरियाणा विधानसभा अध्यक्ष हरविंद्र कल्याण ने राजकीय महिला महाविद्यालय, करनाल में नवनिर्मित पी.जी. ब्लॉक तथा शाखा ग्राउंड में बनाए गए मल्टी परपज हॉल का भव्य उद्घाटन किया। यह अवसर महाविद्यालय के शैक्षणिक एवं सह-पाठ्यचर्या विकास की दिशा में एक महत्वपूर्ण उपलब्धि साबित हुआ।

महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. विवेक रंगा ने मुख्य अतिथि का स्वागत करते हुए बताया कि नई पी.जी. बिल्डिंग लंबे समय से चली आ रही आवश्यकता थी। इस आधुनिक भवन में स्मार्ट क्लासरूम, उन्नत प्रयोगशालाएं, शोध कक्ष, कॉन्फ्रेंस रूम सहित उच्च शिक्षा के लिए सभी आवश्यक सुविधाएं उपलब्ध कराई गई हैं। उद्घाटन समारोह को संबोधित करते हुए विधानसभा अध्यक्ष हरविंद्र कल्याण ने कहा कि बेटियों की शिक्षा और सुरक्षा सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकताओं में शामिल है। महिला शिक्षा के लिए बेहतर और आधुनिक सुविधाएं उपलब्ध कराना बेटी बचाओ-बेटी पढ़ाओ अभियान को मजबूती प्रदान करता है। उन्होंने आशा व्यक्त की कि यह नई इमारत छात्राओं को आत्मनिर्भर और सशक्त बनाने में सहायक सिद्ध होगी।

इसके पश्चात विधानसभा अध्यक्ष ने शाखा ग्राउंड में नवनिर्मित मल्टी परपज हॉल का उद्घाटन किया। अत्याधुनिक सुविधाओं से युक्त यह हॉल खेल, सांस्कृतिक कार्यक्रमों, सेमिनारों, कार्यशालाओं एवं विभिन्न प्रशिक्षण गतिविधियों का प्रमुख केंद्र बनेगा।

उन्होंने महाविद्यालय में हो रहे विकास कार्यों की सराहना करते हुए कहा कि राजकीय महिला महाविद्यालय करनाल निरंतर प्रगति के पथ पर अग्रसर है। प्रो. दीपक शर्मा द्वारा रखी गई चुनौतियों पर उन्होंने आश्वासन दिया कि भविष्य में शिक्षा और आधारभूत सुविधाओं से जुड़े सभी कार्य प्राथमिकता से पूरे किए जाएंगे। इस अवसर पर विधायक जगमोहन आनंद, कविंदर राणा, एचएसएससी सदस्य कपिल अत्रेजा, सतीश चावला, डॉ. सुजाता गुप्ता, डॉ. रंजना शर्मा, डॉ. अनिल सिंघानिया सहित अनेक गणमान्य व्यक्ति उपस्थित रहे।

धान खरीद में घोटाले के आरोप डीएफएससी पर जांच की मांग

■ भारतीय किसान यूनियन सर छोटूराम ने करनाल डीएफएससी पर लगाए गए गंभीर आरोप

हरिभूमि न्यूज ▸▸ करनाल

भारतीय किसान यूनियन सर छोटूराम ने करनाल जिला खाद्य एवं आपूर्ति अधिकारी (डीएफएससी) पर धान घोटाले में शामिल होने के आरोप लगाते हुए उच्च स्तरीय जांच की मांग की है। यूनियन के प्रवक्ता बहादुर मैहला बलड़ी ने कहा कि हरियाणा का सबसे बड़ा धान घोटाला करनाल में हुआ है।

उन्होंने आरोप लगाया कि डीएफएससी अनिल कुमार ने पुराने भ्रष्ट अधिकारियों को धान खरीद प्रक्रिया में शामिल किया, जिनमें से अधिकतर के खिलाफ भ्रष्टाचार के मामले चल रहे हैं। कई अधिकारियों पर विभागीय जांच चल रही है और कुछ पहले ही निलंबित हो चुके हैं।

उन्होंने कहा कि किसानों की धान एमएसपी पर नहीं खरीदी गई, लेकिन बाद में रिकॉर्ड में दिखा दिया गया कि पूरी फसल एमएसपी पर खरीदी गई है। इससे सरकार को भारी आर्थिक नुकसान हुआ और किसानों के साथ बड़ी धोखाधड़ी की गई।

बहादुर मैहला ने कहा कि प्रदेश सरकार भ्रष्टाचार पर जीरो टॉलरेंस की बात करती है, लेकिन मंडियों में किसानों की खुली लूट चल रही है। यदि यही हाल रहा तो किसानों की आय दोगुनी होना तो दूर, जो है वह भी समाप्त हो जाएगी और किसान कर्ज के बोझ तले दब जाएगा।

न्यूज डायरी

निजीकरण के खिलाफ संघर्ष तेज करेगी यूनियन

करनाल। ऑल हरियाणा पॉवर कार्पोरेशन वर्कर यूनियन की सिटी यूनिट की मीटिंग बी-टाइप रेस्ट हाउस में आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता यूनिट प्रधान अजीत सैनी ने की जबकि संचालन सचिव जगमाल सिंह ने किया। राज्य महासचिव राजेंद्र राणा व राज्य सचिव सतीश मान ने यूनियन की आगामी गतिविधियों की विस्तार से जानकारी दी। राजेंद्र राणा ने बताया कि 26 नवंबर को पंचकूला में अतिरिक्त मुख्य सचिव पॉवर के कार्यालय का घेराव कर कर्मचारियों ने जोरदार प्रदर्शन किया था। उन्होंने कहा कि 19 से 21 दिसंबर तक सर्व कर्मचारी संघ का राज्य स्तरीय सम्मेलन सिरसा में होगा। इसके बाद 30 जनवरी 2026 को अखिल भारतीय राज्य सरकारी कर्मचारी महासंघ के आह्वान पर दिल्ली में बड़ा प्रदर्शन किया जाएगा।यूनिट प्रधान अजीत सैनी ने कहा कि सरकार बिजली विभाग के निजीकरण का प्रयास कर रही है, जो न तो कर्मचारियों और न ही आम जनता के हित में है। उन्होंने ऑनलाइन ट्रांसफर पॉलिसी का भी कड़ा विरोध किया। इस अवसर पर रविंद्र मान, रमेश शर्मा, सतीश, दीपक, नवीन, सुशील, अजय, रोहित, भाग सिंह, प्रदीप, मुकेश, विनोद, सुरजीत, जितेंद्र और सुरेंद्र शर्मा सहित अनेक कर्मचारी उपस्थित रहे।

अनुसूचित जाति किसानों को मुफ्त गेहूं बीज वितरण

करनाल। किसानों को गेहूं का बीज वितरित करते अंबेडकर समाज कल्याण सभा व आईसीएआर के प्रतिनिधि।

करनाल। अंबेडकर समाज कल्याण सभा करनाल के सहयोग से भारतीय गेहूं व जौ अनुसंधान संस्थान द्वारा करनाल जिले के 40 किसानों को प्रति किसान 40 किलो गेहूं का बीज मुफ्त अनुदान योजना के तहत वितरित किया गया। इस अवसर पर अंबेडकर समाज कल्याण सभा के प्रधान अमर सिंह पातलान ने कहा कि केंद्र सरकार की आईसीएआर की कई योजनाएं हैं, जिनका अनुसूचित जाति वर्ग के किसान लाभ उठा सकते हैं। उन्होंने बताया कि यह गेहूं बीज भारत सरकार के कृषि विभाग की एससी-एसटी सब प्लान योजना के अंतर्गत वितरित किया गया है, जिसका उद्देश्य अनुसूचित जाति और जनजाति वर्ग के किसानों के आर्थिक व सामाजिक विकास को बढ़ावा देना है। गेहूं बीज प्राप्त करने वाले किसानों में गांव चोपड़ी, कूडक़, करनाल सहित अन्य क्षेत्रों के किसान शामिल रहे। बीज वितरण कार्यक्रम डॉ. राज कुमार, डॉ. कामले और सभा के प्रधान डॉ. अमर सिंह पातलान की अगुवाई में सम्पन्न हुआ। इस अवसर पर गांव चोपड़ी से श्रीराम, साहिल, श्यामा, निर्मल, शिव नारायण, गांव कूडक़ से राम कुमार, वेद, प्रभु, कमलेश, देसराज, राम किशन, शशी तथा करनाल से दीपक, शकुन्तला और किरन मौजूद रहे।

सामाजिक सेवा के नाम पर शोषण का आरोप

करनाल। करनाल शहर की एक महिला ने सामाजिक सेवा के नाम पर संस्था चलाने वाले युवक गुरकीरत सिंह पर कई वर्षों तक शारीरिक शोषण, ब्लैकमेलिंग, ठगी और जान से मारने की धमकी देने के गंभीर आरोप लगाए हैं। महिला का आरोप है कि सोशल मीडिया के माध्यम से संपर्क के बाद आरोपी ने उसे विश्वास में लिया और धीरे-धीरे अपने प्रभाव में ले लिया। पीड़िता के अनुसार करीब 3–4 साल पहले उसकी पहचान आरोपी गुरकीरत सिंह से सोशल मीडिया के जरिए हुई थी। शुरुआत में आरोपी ने खुद को समाजसेवा से जुड़ा बताया और बातचीत बढ़ाकर उसे भरोसे में ले लिया। इसके बाद मिलने की जिद करते हुए संस्था के काम का बहाना बनाकर आरोपी उसे करनाल से बाहर एक होटल में ले गया। महिला का आरोप है कि होटल में आरोपी ने उसे नशीला पदार्थ पिलाया, जिससे वह बेहोश हो गई। बेहोशी की हालत में आरोपी ने उसके साथ गलत काम किया। होश में आने पर आरोपी ने उसे एक वीडियो दिखाया और कहा कि उसे यह सब बहुत अच्छा लगा। जब महिला ने इसका विरोध किया तो आरोपी ने वीडियो वायरल करने की धमकी देकर उसे डराना शुरू कर दिया। पीड़िता का कहना है कि इसी डर के कारण वह लंबे समय तक चुप रही। आरोपी ने वीडियो के आधार पर उसे ब्लैकमेल करना शुरू कर दिया और धीरे-धीरे उससे पैसे ऐंठने लगा। बदनामी और डर के चलते महिला आरोपी को पैसे देती रही। इस तरह आरोपी ने उससे 13 लाख रुपये से अधिक की रकम हड़प ली। महिला का आरोप है कि आरोपी बार-बार उसे अलग-अलग होटलों में ले जाता, खुद भी नशा करता और जबरन उसे भी नशा करवाकर शोषण करता रहा। जब महिला ने अपने पैसे वापस मांगने शुरू किए तो आरोपी ने पैसे लौटाने और वीडियो डिलीट करने का झांसा देकर उसे एक रेस्टोरेंट में बुलाया। वहां फिर से नशा कराकर आरोपी ने उसकी एक नई वीडियो बना ली। पीड़िता के अनुसार उस वीडियो में आरोपी ने उससे यह कहलवाया कि अब उसके और आरोपी के बीच पैसे को लेकर कोई लेन-देन नहीं है। इसके बावजूद न तो पैसे लौटाए गए और न ही वीडियो डिलीट की गई। महिला ने यह भी आरोप लगाया कि आरोपी ने उसे धमकी दी कि यदि उसने इस बारे में किसी को कुछ बताया तो वह उसके बच्चों का अपहरण करवा देगा। इसी डर के कारण वह और अधिक सहम गई और लंबे समय तक चुप रही।

गांव कलवेहड़ी में भंडारा, पाठ व शोभायात्रा

करनाल। गांव कलवेहड़ी में सुखमणि पाठ में शामिल वैद्य देवेंद्र बत्रा एवं संत महात्मा व श्रद्धालु।

करनाल। बाबा राम दास गिरि चैरिटेबल ट्रस्ट के तत्वावधान में गांव कलवेहड़ी में बाबा राम दास गिरि जी काली कमली वाले की पावन स्मृति में 120वें शीतकालीन भंडारे का आयोजन किया जा रहा है। कार्यक्रम के दूसरे दिन शनिवार को श्री सुखमणी साहिब पाठ का आयोजन किया गया, जिसे श्री सुखमणी साहिब सेवा सोसाइटी द्वारा संपन्न कराया गया। राजेंद्र सिंह, हर देवेंद्र सिंह, कुलदीप सिंह और बलविंद्र सिंह ने पाठ सेवा निभाई। अरदास के उपरांत प्रसाद का वितरण किया गया। कार्यक्रम गद्दीनशीन वैद्य देवेंद्र बत्तरा के सानिध्य में आयोजित हुआ। इस अवसर पर अनेक गणमान्य लोगों को सिरोपा पहनाकर सम्मानित किया गया। सायंकाल में भव्य शोभायात्रा निकाली गई, जिसकी शुरुआत दीप प्रज्ज्वलित कर की गई। पालकी को फूलों और गुब्बारों से सजाया गया। शोभायात्रा परिक्रमा करते हुए बाबा राम दास गिरि काली कमली वाले के समाधि स्थल पर पहुंची। 14 दिसंबर को मुख्य भंडारे का आयोजन होगा।

राष्ट्रीय सुरक्षा पर साध्वी डॉ. प्राची ने उठाए सवाल

हरिभूमि न्यूज ▸▸ करनाल

■ सामाजिक संतुलन, कानून की समानता और राजनीतिक दलों की भूमिका पर रखी बेबाक राय

करनाल में कुछ समय के लिए रुकीं विश्व हिंदू परिषद की केंद्रीय मार्गदर्शक मंडल की कार्यकर्ता साध्वी डॉ. प्राची ने मीडिया से बातचीत के दौरान महिला तस्करी, लव जिहाद, जनसंख्या असंतुलन, राष्ट्रीय सुरक्षा और सामाजिक समरसता जैसे संवेदनशील मुद्दों पर तीखे सवाल उठाए। उन्होंने देश में कानून की समानता और धार्मिक आधार पर अलग-अलग व्यवस्थाओं पर चिंता जताते हुए कहा कि सामाजिक संतुलन बनाए रखना आज की सबसे बड़ी जरूरत बन चुका है।

साध्वी डॉ. प्राची ने कहा कि मीडिया उनके बयानों को विवादित बता सकता है, लेकिन वे सच बोलती हैं। उन्होंने सवाल उठाया कि यदि हिंदुओं को अपना देश छोड़ना पड़े तो वे कहां जाएंगे, जबकि पाकिस्तान, बांग्लादेश और अफगानिस्तान जैसे कई देश मुस्लिम बहुल हैं। उन्होंने कहा कि दुनिया में लगभग 56 देश मुस्लिम हैं, जबकि हिंदुओं के पास केवल हिंदुस्तान ही है। उन्होंने 'गजवा-ए-हिंद' जैसे नारों पर भी गंभीर चिंता व्यक्त की। उन्होंने जनसंख्या के आंकड़ों का हवाला देते हुए कहा कि देश के विभाजन के समय भारत में मुस्लिम आबादी लगभग 6 प्रतिशत थी, जो अब बढ़कर 30 प्रतिशत तक पहुंच चुकी है। वहीं पाकिस्तान में हिंदू आबादी 6 प्रतिशत से घटकर करीब 1 प्रतिशत रह गई है। इन्हीं तथ्यों के आधार पर उन्होंने हिंदुओं से एकजुट रहने की अपील की। साध्वी डॉ. प्राची ने कहा कि यह 2025 का भारत है, जो किसी को छेड़ता नहीं, लेकिन अगर कोई छेड़ेगा तो छोड़ेगा भी नहीं। उन्होंने कहा कि देश अब पहले जैसा नहीं रहा और आत्मरक्षा के लिए सख्त रुख अपनाने की आवश्यकता है। कांग्रेस पर निशाना साधते हुए उन्होंने दिल्ली में हुई कथित वोट चोरी के मुद्दे को उठाया और कहा कि इतिहास में सबसे पहले वोट चोरी नेहरू खानदान ने की थी। उन्होंने सरदार वल्लभभाई पटेल को 13 वोट और नेहरू को एक वोट मिलने के उदाहरण का उल्लेख करते हुए सवाल किया कि नेहरू प्रधानमंत्री कैसे बने। उन्होंने आरोप लगाया कि पिछले 70 वर्षों से कांग्रेस का प्रयास हिंदुओं की संख्या कम करने का रहा है। उन्होंने 'हम दो हमारे दो' जैसे नारों का जिक्र करते हुए कहा कि हिंदू इसे अपनाते-अपनाते अब दो से एक पर आ गए हैं, जबकि दूसरी ओर जनसंख्या लगातार बढ़ाई जा रही है। उन्होंने या तो हिंदुओं से अपनी संख्या बढ़ाने की अपील की या फिर सभी धर्मों के लिए समान दो बच्चों का कानून लागू करने की मांग रखी। लव जिहाद और महिला तस्करी के मुद्दे पर बोलते हुए साध्वी डॉ. प्राची ने कहा कि सरकार अपना काम कर रही है, लेकिन माता-पिता की भी जिम्मेदारी बनती है कि वे अपनी बेटियों पर ध्यान दें। कम उम्र की बच्चियों को लव जिहाद में फंसाया जा रहा है।

चालान भुगतान प्रक्रिया की उलझन से लोग परेशान

लोक अदालत में ट्रैफिक चालान भुगतान बना सिरदर्द

■ फॉर्म, लिस्ट और तारीखों की अव्यवस्था से जूझना पड़ा

हरिभूमि न्यूज ▸▸ करनाल

करनाल में आयोजित लोक अदालत के दौरान ट्रैफिक चालान का भुगतान करने पहुंचे वाहन चालकों को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ा। भुगतान प्रक्रिया इतनी उलझी हुई रही कि लोग यह तक समझ नहीं पाए कि पहले क्या करना है और आगे क्या। कई लोगों ने बताया कि उन्होंने दो महीने पहले फॉर्म भरे थे, लेकिन लोक अदालत में पहुंचने पर उनका नाम सूची में ही नहीं मिला। जुंडला गांव निवासी मुकेश कुमार ने बताया कि उन्होंने सितंबर महीने में फॉर्म भर दिया था और उन्हें 13 दिसंबर को लोक अदालत में आने के लिए कहा गया था। तय दिन जब वे लोक अदालत पहुंचे तो उनका नाम सूची में नहीं मिला। उन्होंने कहा कि वे बार-बार यहां आकर परेशान हो रहे हैं और भटकने को मजबूर हैं। सेक्टर-6 निवासी मुन्ना ने बताया कि उनके दो चालान कटे हुए हैं और दोनों में अलग-अलग पते दर्ज हैं। उन्होंने दो महीने पहले फॉर्म भी भर दिया था, लेकिन लोक अदालत में पहुंचने पर उनका नाम सूची में नहीं मिला। मुन्ना ने सवाल उठाया कि यह लापरवाही किसकी है और कहा कि आम जनता को बेवजह परेशान किया जा रहा है। लोक अदालत में पहुंचे लोगों ने मांग की कि चालान भुगतान की प्रक्रिया को सरल और पारदर्शी बनाया जाए। तारीख और कोर्ट की जानकारी ऑनलाइन उपलब्ध कराई जाए, ताकि लोगों को बार-बार लोक अदालत के चक्कर न लगाने पड़ें। लोगों का कहना है कि यदि व्यवस्था सही कर दी जाए तो लोक अदालत वास्तव में जनता के लिए राहत का माध्यम बन सकती है, लेकिन मौजूदा अव्यवस्था से लोगों का भरोसा उठता जा रहा है।

आर्के पुरा निवासी एक बुजुर्ग ने बताया कि उन्होंने 11 नवंबर को फॉर्म भरा था, लेकिन न तो उन्हें कोई पर्ची दी गई और न ही यह बताया गया कि कोई संदेश आएगा। उन्हें केवल इतना कहा गया कि 13 दिसंबर की लोक अदालत है और 12 दिसंबर को आकर कोर्ट की जानकारी ले लें। जब वे पहुंचे तो क्यूआर कोड स्कैन करने पर भी उनका नाम सूची में नहीं मिला, जिससे वे बेहद परेशान नजर आए।

कई लोगों ने बताया कि चालान कटते ही मोबाइल पर संदेश आ जाता है, लेकिन भुगतान की प्रक्रिया आज भी पूरी तरह ऑनलाइन नहीं है। बाहर से फॉर्म लेने पड़ते हैं, जिनके 10 से 20 रुपये तक वसूले जा रहे हैं। लोगों का कहना है कि सरकार डिजिटल व्यवस्था की बात करती है, लेकिन जमीनी हकीकत इससे अलग है।

निराशा हाथ लगी : गुलशन

रामनगर निवासी गुलशन ने बताया कि लोक अदालत का मकसद लोगों को राहत दिलाना होता है, लेकिन यहां प्रक्रिया इतनी पेचीदा है कि परेशानी और बढ़ रही है। उन्होंने आरोप लगाया कि जानबूझकर लोगों को भटकाया जा रहा है। बाहर के जिलों से भी लोग अपने चालान भुगतान के लिए करनाल पहुंचे, लेकिन उन्हें भी निराशा हाथ लगी।

लोकतंत्र बचाने के लिए दिल्ली में गरजेंगे हरियाणा के युवा : संधू

करनाल । हरियाणा युवा कांग्रेस के प्रदेश वरिष्ठ उपप्रधान सोमिल संधू ने कहा कि 14 दिसंबर को दिल्ली के रामलीला मैदान में होने वाली वोट चोर गद्दी छोड़ महारैली लोकतंत्र बचाने की दिशा में एक बड़ा और ऐतिहासिक आगाज होगी।

उन्होंने कहा कि इस महारैली के माध्यम से देश की जनता को यह जागरूक किया जाएगा कि भाजपा किस प्रकार सरकारी तंत्र और संवैधानिक संस्थाओं का दुरुपयोग कर लोकतांत्रिक व्यवस्था को कमजोर कर रही है। चुनाव आयोग की निष्पक्षता पर गंभीर सवाल खड़े हो चुके हैं, लेकिन भाजपा निष्पक्ष जांच से लगातार भाग रही है। यह महारैली पूरे देश को यह स्पष्ट संदेश देगी कि भाजपा स्वस्थ लोकतंत्र को खत्म कर तानाशाही थोपने की कोशिश कर रही है।

अदालत में 31 हजार 735 मामलों का आपसी सहमति से निपटारा

लोक अदालत में 9.74 करोड़ से अधिक की राशि पर समझौते

पानीपत। सेशन डिवीजन में आयोजित नेशनल लोक अदालत का दृश्य । *फोटो : हरिभूमि*

- कुल 37,199 मामलों को लोक अदालत के लिए सूचीबद्ध किया गया था

हरिभूमि न्यूज ▶▶ पानीपत

पानीपत सेशन डिवीजन में आज नेशनल लोक अदालत का सफल आयोजन किया गया। इस लोक अदालत में 31735 मामलों का आपसी सहमति से निपटारा कर न्यायिक व्यवस्था में एक नया कीर्तिमान स्थापित किया गया। यह आयोजन न्यायमूर्ति लिसा गिल न्यायाधीश पंजाब एवं हरियाणा उच्च न्यायालय तथा जगदीप सिंह सदस्य सचिव हरियाणा राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण के दिशा.निर्देशों में सम्पन्न हुआ। संचालन सुदेश कुमार शर्मा जिला एवं सत्र न्यायाधीश एवं अध्यक्ष जिला विधिक सेवाएं प्राधिकरण पानीपत के मार्गदर्शन में किया गया।

लोक अदालत की कार्यवाही में न्यायाधीशों, अधिवक्ताओं, वादियों, बीमा कंपनियों एवं बैंक प्रतिनिधियों की सक्रिय सहभागिता रही। गठित लोक अदालत की विभिन्न पीठों में अम्बरदीप सिंह अपर जिला एवं सत्र न्यायाधीश, राजेंद्र पाल सिंह प्रिंसिपल जज फैमिली कोर्ट, महेंद्र सिंह मुख्य न्यायिक दंडाधिकारी, तरुण कुमार वर्मा, विकास वर्मा तथा प्रतिभा माहला ,सभी सिविल जज जूनियर डिवीजन शामिल रहे। लंबित मामलों के साथ-साथ पूर्व मुकदमेबाजी मामलों के निपटारे के लिए लोक उपयोगिता सेवाओं की विशेष खंडपीठ का गठन किया गया। वर्षा शर्मा मुख्य न्यायिक दंडाधिकारी एवं सचिव जिला विधिक सेवाएं प्राधिकरण ने कहा कि लोक अदालत विवादों के समाधान का प्रभावी और मानवीय माध्यम है।

जहां आपसी संवाद और सहमति के आधार पर मामलों का निपटारा किया जाता है। उन्होंने बताया कि पानीपत एवं उप.मंडल समालखा में कुल 37,199 मामलों को लोक अदालत के लिए सूचीबद्ध किया गया था। जिनमें से 31,735 मामलों का सफलतापूर्वक निपटारा किया गया। इन मामलों में कुल 9 करोड़ 74 लाख 71 हजार 128 रुपये की समझौता राशि तय हुई।

स्वस्थ्य शरीर में होता है स्वस्थ्य मस्तिष्क का निर्माण : डॉ. जुनेजा

पानीपत। उपायुक्त एवं प्रधान जिला रैडक्रास सोसाईटी पानीपत डा.विरेन्द्र कुमार दहिया के मार्गदर्शन व अंकुश मिंगलानी उपाध्यक्ष व डॉ.सुनील कुमार महासचिव भारतीय रेडक्रास सोसाईटी हरियाणा के निर्देशानुसार 12 से 16 दिसम्बर तक जिला स्तरीय जूनियर रैडक्रास प्रशिक्षण शिविर का आयोजन राजकीय मॉडल संस्कृति वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय में किया जा रहा है। आज दूसरे दिन आयुष विभाग से योग विशेषज्ञ नीलीमा पाल ने प्रतिभागियों को योग व ध्यान के महत्व के बारे में जागरूक करते प्रतिभागियों को यम नियम व आसानों पर प्रकाश डालते हुए उन्हें प्रक्टीकल करके दिखलाया। स्वास्थ्य विभाग की तरफ से बतौर विशिष्ट अतिथि डा.हरीश जुनेजा, दंत चिकित्सक ने बतौर मुख्य वक्ता प्रतिभागियों को जागरूक करते हुए दांतों की सफाई, मानसिक स्वास्थ्य, संक्रमित रोग, कुष्ठ रोग, स्कूल हेल्थ इत्यादि के बारे में अगवत करवाया तथा सभी प्रतिभागियों की दांतों व आंखों का चेकअप किया गया। स्वस्थ्य शरीर में होता है स्वस्थ्य मस्तिष्क का निर्माण। इस दौरान मनोविज्ञानिक रवि कुमार, सहायक नेत्र रोग विशेषज्ञ सुरेन्द्र कुमार, लैब टैकनिशयन सुरेन्द्र नैन व जय कुमार, मनोरोग समाजिक कार्यकता विनोद देसवाल, जिला लीगल सर्विस अथोरिटी से अधिवक्ता दीपाली अग्रवाल, सुदेश, शिविर निदेशक हरमेश चन्द, जेआरसी कोर्डिनेटर मीना कांबोज, प्रवक्ता कला भारद्वाज, प्रदीप, जेआरसी काउंसलर किरन शर्मा, जयबीर सिंह, पिंकी, राजबाला, सुखदेव सिंह, रमेश कुमार आदि मौजूद रहे।

पानीपत। प्रतिभावान विद्यार्थियों को सम्मानित करते अतिथिगण व आयोजक । फोटो : हरिभूमि

जीडी गोयंका स्कूल के वार्षिक समारोह में स्कूल की प्रतिभाओं को किया सम्मानित

- चेयरमैन अतुल जैन ने अतिथिगण को पुष्पगुच्छ से स्वागत किया

हरिभूमि न्यूज ▶▶ पानीपत

जीडी गोयंका पब्लिक स्कूल में आज वार्षिक पुरस्कार वितरण समारोह का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की थीम प्राइज एंड शाइन रही। मुख्य अतिथि रिचा जैन रही। इस अवसर पर विद्यालय के चेयरमैन अतुल जैन, डायरेक्टर मधु अग्रवाल, प्रधानाचार्या रेणुका अनेजा, वाइस चेयरमैन युवराज जैन, सीए कमल किशोर, सलाहकार मुस्कान जैन आदि अतिथि उपस्थित रहे। चेयरमैन अतुल जैन ने अतिथिगण को पुष्पगुच्छ से स्वागत किया। प्री नर्सरी से दूसरी कक्षा के नन्हे बच्चों ने रंगारंग और सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किए। जिनकी सभी ने तारिफ की। प्रधानाचार्या रेणुका अनेजा ने विद्यालय की वार्षिक रिपोर्ट पेश की। मुख्य अतिथि ने शैक्षणिक, खेलकूद और अन्य गतिविधियों में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले प्रतिभावान विद्यार्थियों को गोयंकन जैम, शाइनिंग स्टार, हंड्रेड परसेंट अटेंडेंस, रोल ऑफ ऑनर अवार्ड से सम्मानित किया गया। वाईस चेयरमैन युवराज जैन ने उपस्थित अतिथिगण और अभिभावकों का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि विद्यालय का उद्देश्य बच्चों का चहुंमुखी विकास करना है। उन्होंने बच्चों को कड़ी मेहनत, दृढ़ संकल्प और सकारात्मक सोच से अपने सपनों को पूरा करने के लिए प्रेरित किया। मंच संचालन माहिका, प्रत्यूष, वरुण और वासुदेवन के द्वारा किया गया।

डायरेक्टर ने किया प्रोत्साहित

डायरेक्टर मधु अग्रवाल ने बच्चों के शानदार प्रदर्शन की प्रशंसा करते हुए उन्हें उन्नति की दिशा में बढ़ने के लिए प्रोत्साहित किया।

शिक्षा और संस्कारों का महत्वपूर्ण योगदान

चेयरमैन अतुल जैन ने भी बच्चों का हौंसला बढ़ाते हुए कहा कि बच्चों की सफलता में शिक्षा और संस्कारों का महत्त्वपूर्ण योगदान होता है।

निफा ने लॉर्ड कृष्णा पब्लिक स्कूल में रक्तदान शिविर लगाया

हरिभूमि न्यूज ▶▶ समालखा

समालखा निफा संस्था द्वारा एचडीएफ सी बैंक समालखा के सहयोग से हथवाला रोड स्थित लॉर्ड कृष्णा पब्लिक स्कूल में एक रक्तदान शिविर लगाया गया। निफा प्रधान संदीप शर्मा ने बताया कि यह रक्तदान शिविर पानीपत सिविल हस्पताल ब्लड बैंक के सहयोग से लगाया गया। जिसमें 45 यूनिट रक्त एकत्रित किया गया। संदीप शर्मा ने बताया की निफा संस्था द्वारा रक्तदान जागरूकता हेतु पूरे भारत वर्ष में रक्तदान शिविर लगाए जा रहे हैं और जनता को रक्तदान के प्रति जागरूक किया जा रहा है।

समालखा। रक्तदान शिविर में आयोजक व अतिथिगण । फोटो : हरिभूमि

ये रहे मौजूद

इस अवसर पर स्कूल प्रबंधक सुरेंद्र गाहल्याण, संदीप त्यागी, आशु सैनी, पूजा त्यागी, कमल, सृष्टि गाहल्याण, दिक्षु गाहल्याण, एचडीएफसी बैंक समालखा से जितेंद्र सिंह, निफा समालखा से सचिव देवेंद्र पाल सिंह, महिला विंग कोऑर्डिनेटर मनिंद्र कौर, ग्रामीण इंचार्ज डा.जोगिंद्र गाहल्याण, राजेंद्र मनचंदा, सौरव मित्तल, सागर शर्मा, अशोक पांचाल, सुरेश मित्तल व दिलजीत सिंह उपस्थित रहे।

अपराध नियंत्रण और शांति व्यवस्था बनाए रखना पुलिस की सर्वोच्च प्राथमिकता : सिंह

हरिभूमि न्यूज ▶▶ पानीपत

पुलिस अधीक्षक भूपेंद्र सिंह आईपीएस ने आज जिला सचिवालय स्थित पुलिस विभाग के सभागार में पर्यवेक्षण अधिकारी, थाना प्रबंधकों, क्राइम यूनिट प्रभारी व चौकी इंचार्जों के साथ अपराध गोष्ठी का आयोजन किया। उन्होंने इस दौरान कानून एवं व्यवस्था व दर्ज मुकदमों में की जा रही कार्रवाही की समीक्षा लेकर अपराधों पर अंकुश लगाने के सख्त निर्देश दिए। अपराध गोष्ठी में डीएसपी सुरेश कुमार सैनी, डीएसपी राजबीर सिंह, डीएसपी नरेंद्र सिंह, ट्रेनिज डीएसपी ज्योति सहित सभी थाना प्रबंधक, क्राइम युनिट प्रभारी व चौकी इंचार्ज मौजूद रहे। एसपी भूपेंद्र सिंह ने मीटिंग में सख्त निर्देश देते हुए कहा कि दर्ज किसी भी मुकदमें की जांच बेवजह लंबे समय तक पेंडिंग न रखें एवं तय सीमा में जांच पूरी कर उसका न्यायालय में चालान पेश करें। महिला विरूध अपराधों में आरोपी को शीघ्र अति शीघ्र गिरफ्तार कर अभियोग का शीघ्र निस्तारण करें। एसपी भूपेंद्र सिंह ने कहा कि भ्रष्टाचार को किसी भी सूरत में सहन नहीं किया जाएगा।

पानीपत। पुलिस अधिकारियों की बैठक लेते हुए एसपी भूपेंद्र सिंह । फोटो : हरिभूमि

खबर संक्षेप

डीएवी पुलिस पब्लिक स्कूल में हैप्पी क्लास कार्यशाला आयोजित

पानीपत। डीएवी पुलिस पब्लिक स्कूल में विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास और सकारात्मक शिक्षण वातावरण को सुदृढ़ करने के उद्देश्य से हैप्पी क्लासरूम विषय पर एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यशाला में शिक्षकों को आनंददायक, सहभागितापूर्ण एवं छात्र.केंद्रित शिक्षण विधियों से अवगत कराया। प्रधानाचार्या सुमिता अरोड़ा ने प्रशिक्षिका दीपिका मलिक एवं प्रशिक्षक धनेश को पौधे भेंटकर अभिनन्दन किया। शिक्षकों को नवीन शिक्षण तकनीकों का अनुभव कराया गया। दीपिका मलिक ने कहा कि बच्चों के सर्वांगीण विकास हेतु उनके भावात्मक पक्ष से जुडना अत्यंत अनिवार्य है। धनेश ने भी इस विषय पर अपने विचार रखे। प्रधानाचार्या सुमिता अरोड़ा ने कहा कि हैप्पी क्लासरूम की अवधारणा विद्यार्थियों के मानसिक स्वास्थ्य, रचनात्मकता और आत्मविश्वास को बढ़ावा देती है। भविष्य में भी इस प्रकार की शैक्षणिक एवं विकासात्मक गतिविधियों के आयोजन की प्रतिबद्धता व्यक्त की।

विश्व जागृति मिशन द्वारा बाल संस्कार कार्यक्रम का आयोजन

पानीपत। श्री सुधांशु जी महाराज की प्रेरणा एवं आशीर्वाद से विश्व जागृति मिशन पानीपत मण्डल द्वारा सेक्टर 25 स्थित एमजेआर स्कूल के भवन में स्थापित पिंकी खुंगर मेमोरियल स्कूल में बाल संस्कार कार्यक्रम किया गया। ये बच्चों को अपने देश की संस्कृति, सभ्यता तथा संस्कारों की जानकारी देने के लिए था। मण्डल अध्यक्ष डा.जगजीत आहूजा ने बताया कि पिछल गत 5 मई को दिल्ली में भारत मंडपम में आयोजित कार्यक्रम में पूज्य महाराज श्री ने 108 बाल संस्कार केंद्र तथा 10 गुरुकुल खोलने का संकल्प लिया था। कार्यक्रम में वीना चुघ ने सूक्ष्म व्यायाम एवं योग आसन की विधियां सिखाई। मंच संचालन भीम डुडेजा ने किया। वहीं विश्व जागृति मिशन के अधिकारीगण द्वारा बच्चों को उपहार दिए गये। इस अवसर पर हरियाणा प्रभारी आरएन रावल, संरक्षक पुरुषोत्तम शर्मा, प्रधान डॉ.जगजीत आहूजा, संयोजक इंद्र चुघ, महामंत्री गिरीश अरोड़ा, सुभाष सोनी, राजू शर्मा, गणेश ठाकुर, वीना चुघ, कांता छाबड़ा, उमा पुण्याणी व सोनू शर्मा आदि उपस्थित रहे।

क्लास शो में सांस्कृतिक कार्यक्रम ने बिखेरी संस्कारों की छटा

प्रातः कालीन हवन की पवित्र आहुतियों से वातावरण को शुद्ध और सुगंधित रखने का संकल्प लिया

हरिभूमि न्यूज ▶▶ पानीपत

पानीपत। आर्य गर्ल्स स्कूल में प्रस्तुति देती छात्राएं, विजेताओं को पुरस्कृत करते हुए मेयर कोमल सैनी व अन्य। फोटो : हरिभूमि

आर्य गर्ल्स पब्लिक स्कूल में कक्षा छठी से आठवीं तक का क्लास शो धूमधाम से मनाया गया। संस्कार इस क्लास शो की मुख्य कथा वस्तु रही। मुख्य अतिथि मेयर कोमल सैनी रही। प्रातः कालीन हवन की पवित्र आहुतियां से वातावरण को शुद्ध और सुगंधित रखने का संकल्प लिया गया। विद्यालय की कार्यकारणी समिति से वरिष्ठ सदस्य वीरेंद्र सिंगला,चेयरमैन सुरेन्द्र सिंगला, वाइस चेयरमैन सीए कमल किशोर, प्रबंधन अरुण आर्य, कैशियर नरेश गर्ग, प्रधानाचार्या मीनाक्षी अरोड़ा, उप प्रधानाचार्या अनुभा गुप्ता, आर्य कॉलेज के प्राचार्य जगदीश गुप्ता, सुशील सिंगला ने मुख्यातिथि मेयर कोमल सैनी का स्वागत किया। इस अवसर पर राजकुमार शास्त्री, ओम प्रकाश शास्त्री, बृज कुमार शास्त्री व हिमांशु शास्त्री को सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में स्कूल की छात्राओं ने विभिन्न बेहतरीन सांस्कृतिक कार्यक्रमों की प्रस्तुतियों से समां बांध दिया। अंतर सदन गतिविधियों में श्रेष्ठतम प्रदर्शन पर विवेकानंद सदन को ट्रॉफी से सम्मानित किया गया। दूसरे स्थान पर दयानंद और टैगोर सदनों को संयुक्त रूप से पुरस्कृत किया गया। जबकि उत्कृष्ट कला का प्रदर्शन करने वाले बच्चों को भी पुरस्कृत किया गया। वहीं हॉकी में स्कूल का नाम रोशन करने वाली हाकी टीम की खिलाड़ियों को भी मुख्य अतिथि मेयर कोमल सैनी ने सम्मानित किया। मेयर कोमल सैनी ने कहा कि शिक्षा और संस्कार एक ही सिक्के के दो पहलू हैं। दोनों ही जीवन के मूल मंत्र है। संस्कार के बिना शिक्षा का महत्व गौण हो जाता है। क्लास शो संस्कार मेंसांस्कृतिक कार्यक्रम ने बिखेरी संस्कारों की छटा। प्रधानाचार्य मीनाक्षी अरोड़ा ने स्कूल की वार्षिक रिपोर्ट पेश की।

नवोदय विद्यालय प्रवेश परीक्षा के दौरान डीईओ ने अभिभावकों से किया संवाद

पानीपत। डीईओ राकेश बूरा अभिभावकों से बातचीत करते हुए।

हरिभूमि न्यूज ▶▶ पानीपत

डीईओ राकेश बूरा ने आज नवोदय विद्यालय में प्रवेश हेतु आयोजित एंट्रेंस परीक्षा के दौरान राजकीय मॉडल संस्कृति स्कूल जीटी रोड में बच्चों के अभिभावकों के साथ संवाद किया। उन्होंने अभिभावकों को बच्चों की होमवर्क डायरी नियमित रूप से चेक करने तथा बच्चों के उज्ज्वल भविष्य के लिए उन्हें प्रतिदिन विद्यालय भेजने के निर्देश दिए। संवाद के दौरान अभिभावकों ने बच्चों के भविष्य को लेकर कई प्रश्न पूछे, जिनका डीईओ ने विस्तारपूर्वक उत्तर दिया। उन्होंने बताया कि शिक्षा मंत्री महीपाल ढांडा बच्चों की शिक्षा को लेकर अत्यंत गंभीर हैं तथा भविष्य में और अधिक मॉडल संस्कृति स्कूल खोले जाएंगे।

मौके पर ये मौजूद रहे

इस अवसर पर जिला कोऑर्डिनेटर संदीप रतेवाल, प्राचार्य संदीप शर्मा, अनिल रोहिला, रणदीप खोखर सहित अन्य अधिकारी एवं शिक्षकगण उपस्थित रहे।

सद्भाव यात्रा किसान मसीहा छोटूराम की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर यात्रा का शुभारंभ किया

पूर्व सांसद बृजेंद्र सिंह की दूसरे चरण की सद्भावयात्रा संपन्न

- यात्रा के दौरान अपने संबोधन में बृजेंद्र सिंह ने भाजपा को निशाने पर लिया

हरिभूमि न्यूज ▶▶ इसराना

पूर्व सांसद एवं अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी के विदेशी मामले विभाग के उपाध्यक्ष बृजेंद्र सिंह की दूसरे चरण की सद्भाव यात्रा आज संपन्न हो गई। इस दौरान उन्होंने इसराना विधानसभा क्षेत्र के इसराना, कालखा, लोहारी, औसरी, भालसी, मतलौडा व कवि गांवों में जनसंपर्क किया। इस दौरान उन्होंने 14 दिसंबर को नई दिल्ली के रामलीला मैदान में वोट चोरी के मुद्दे पर होने वाली रैली में बढ़-चढ़ भाग लेने की अपील की। उन्होंने कहा कि वोट चोरी के नए-नए तथ्य सामने आ रहे हैं। जिससे लगता है कि चुनाव हो या न हो, कोई फायदा नहीं। लोकतंत्र पर डाका पड़ रहा है। पूर्व सांसद बृजेंद्र सिंह ने इसराना स्थित चौधरी छोटूराम किसान भवन में किसान मसीहा छोटूराम की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर यात्रा का शुभारंभ किया गया। इस अवसर पर पूर्व केंद्रीय मंत्री वीरेंद्र सिंह डूमरखां भी मौजूद रहे। वहीं यात्रा के दौरान अपने संबोधन में बृजेंद्र सिंह ने भाजपा को निशाने पर लिया।

इसराना। सद्भाव यात्रा के दौरान पूर्व सांसद बृजेंद्र सिंह व पूर्व केंद्रीय मंत्री बीरेंद्र सिंह डूमरखां। *फोटो : हरिभूमि*

ये रहे मौजूद

इस अवसर पर पूर्व केंद्रीय मंत्री बीरेंद्र सिंह डूमरखां, पूर्व विधायक राजरानी पूनम व शमशेर सिंह गोगी के अलावा चाणक्य पंडित, जितेंद्र कुंडू, लाजवंती ढिल्लो, पूर्ण सिंह डिडवाडी, सुरेंद्र खर्ब एडवोकेट, रघबीर संधू, बाबू राम कौशिक, कर्मचंद पूनम, प्रेम भंडारी, सुभाष तंवर, दीप चंद कल्याण, जोगिंद्र कल्याण, कपिल जागलान, भंवर सिंह, प्रेम सिंह वाल्मीकि व एडवोकेट अमित काजल प्रमुख तौर पर मौजूद रहे।

खबर संक्षेप

दो मामलों में 92 बोतल सहित दो आरोपी काबू

अंबाला। आपरेशन हॉट स्पाट डोमिनेशन के तहत अम्बाला पुलिस द्वारा अवैध शराब की तस्करी करने वालों के विरूद्ध चलाए जा रहे अभियान के दौरान 12 दिसम्बर को थाना नग्गल क्षेत्र गाँव नन्यौला से अवैध शराब तस्करी मामले में प्रबन्धक थाना नग्गल व पुलिस टीम ने तुरन्त कार्यवाही करते हुए आरोपी कुलदीप निवासी गाँव नन्यौला जिला अंबाला को 60 बोतल अंग्रेजी शराब व 24 बोतल देसी शराब (कुल 84 बोतल) अवैध शराब सहित काबू किया। इसी प्रकार एक अन्य मामले में 12 को थाना नग्गल क्षेत्र बस स्टैण्ड गाँव चौडमस्तपुर से अवैध शराब तस्करी मामले में प्रबन्धक थाना नग्गल व पुलिस टीम ने तुरन्त कार्यवाही करते हुए आरोपी निर्मल सिहँ निवासी गाँव चौड़मस्तपुर थाना नग्गल जिला अम्बाला को 08 बोतल देसी अवैध शराब सहित काबू कर न्यायिक प्रक्रियानुसार कार्यवाही की।

चोरी के मामले में आरोपी गिरफ्तार

अंबाला। अंबाला पुलिस द्वारा चोरी/लूट/स्नैचिंग की वारदातों पर रोक लगाने के लिए चलाए गए अभियान के तहत थाना महेशनगर में दर्ज चोरी के मामले में 12 को प्रबन्धक थाना महेशनगर व पुलिस टीम ने कार्यवाही करते हुए आरोपी रोहित कुमार उर्फ काकू निवासी शास्त्री नगर थाना माडल टाऊन होशियारपुर पंजाब वर्तमान पता डेहा कालोनी छावनी अंबाला को गिरफ्तार कर माननीय न्यायालय के आदेशानुसार न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया। इस मामले के सम्बन्ध में शिकायतकर्ता आदित्य कुमार निवासी गोल्डन पार्क दयाल बाग अम्बाला छावनी जिला अम्बाला ने 28 अक्तूबर को थाना महेशनगर में शिकायत दर्ज करवाई थी कि 22 अक्तूबर को अज्ञात आरोपी ने उसकी एक्टिवा चोरी की है। इस शिकायत पर पुलिस ने मामला दर्ज कर कार्यवाही करते हुए आरोपी को गिरफ्तार किया।

ढाठरथ मकान से सोने के जेवरात-नकदी चोरी

जींद। गांव ढाठरथ में एक मकान से दोपहर को जेवरात व लाखों रुपये की नगदी चोरी हो गई। पिल्लूखेड़ा थाना पुलिस ने अज्ञात के खिलाफ चोरी का मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पिल्लूखेड़ा थाना पुलिस को दी शिकायत में गांव ढाठरथ निवासी बनारसी ने बताया कि वह अपने लिए नया मकान बनवा रहा है।

ट्रैक्टर- ट्राली चोरी करने के मामले में आरोपी काबू

कैथल। थाना पुंडरी क्षेत्र के एक गांव से ट्रैक्टर- ट्राली चोरी करने के एक मामले की जांच एंटी व्हीकल थैफ्ट स्टाफ प्रभारी एसआई प्रदीप कुमार की अगुवाई में एएसआई जसमेर सिंह की टीम द्वारा करते आरोपी गांव बरसाना निवासी विक्रम को काबु कर लिया गया। पुलिस प्रवक्ता ने बताया कि गांव रमाना रमाणी निवासी मनीष कुमार की शिकायत अनुसार उसकी गांव बरसाना में रेती बजरी की दुकान हैं।

दुर्घटनाग्रस्त हुई गाड़ी से हजारों का सामान चोरी

जींद। गांव गुलकनी के पास दुर्घटनाग्रस्त हुई गाड़ी से कुछ लोगों ने हजारों रुपये का सामान चोरी कर लिया। गाड़ी चालक ने विजय नामक एक युवक पर चोरी के आरोप लगाए हैं। पुलिस ने विजय को नामजद कर अन्य के खिलाफ मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी। गांव गुलकनी के पास दुर्घटनाग्रस्त हुई गाड़ी से कुछ लोगों ने हजारों रुपये का सामान चोरी कर लिया। गाड़ी चालक ने विजय नामक एक युवक पर चोरी के आरोप लगाए हैं। पुलिस को दी शिकायत में रामराय निवासी सुरेंद्र ने बताया कि वह गांव में ही दुकान खोलने के लिए अपनी कार में सामान लेकर 21 नवंबर को हिसार की तरफ से आ रहा था।

कक्षा छह में प्रवेश के लिए परीक्षा शांतिपूर्वक संपन्न

नवोदय परीक्षा: 2217 बच्चों ने दिया पेपर, 755 गैरहाजिर

बालकों की उपस्थिति 73.65 प्रतिशत और बालिकाओं की उपस्थिति 75.45 प्रतिशत दर्ज की

हरिभूमि न्यूज ⏭ अंबाला

बहल। परीक्षा केन्द्रों का निरीक्षण करते हुए डीईओ सुधीर कालड़ा। *फोटो: हरिभूमि*

जवाहर नवोदय विद्यालय कांवला में कक्षा छह में प्रवेश के लिए अंबाला जिले में रविवार को प्रवेश परीक्षा शांतिपूर्ण, अनुशासित एवं सुव्यवस्थित वातावरण में आयोजित की गई। यह परीक्षा जिले के 13 निर्धारित परीक्षा केंद्रों पर सुबह 11:30 बजे से दोपहर 1:30 बजे तक संपन्न हुई। सभी परीक्षा केंद्रों पर प्रशासन की ओर से सुरक्षा और व्यवस्था के पुख्ता इंतजाम किए गए थे, जिससे परीक्षा निर्बाध रूप से संपन्न हो सकी। जिले में इस प्रवेश परीक्षा के लिए कुल 2972 विद्यार्थियों ने पंजीकरण कराया था, जिनमें 1408 बालक और 1564 बालिकाएं शामिल थीं। परीक्षा में कुल 2217 विद्यार्थी उपस्थित रहे, जिनमें 1037 बालक और 1180 बालिकाएं थीं, जबकि 755 विद्यार्थी परीक्षा में अनुपस्थित रहे। इस प्रकार कुल उपस्थिति 74.60 प्रतिशत रही। बालकों की उपस्थिति 73.65 प्रतिशत तथा बालिकाओं की उपस्थिति 75.45 प्रतिशत दर्ज की गई, जिसे अधिकारियों ने संतोषजनक बताया। परीक्षा की पारदर्शिता, निष्पक्षता और सुचारू संचालन सुनिश्चित करने के लिए जिला शिक्षा अधिकारी सुधीर कालड़ा, जिला मौलिक शिक्षा अधिकारी ज्योति रानी तथा जिले के सभी खंड शिक्षा अधिकारियों ने विभिन्न परीक्षा केंद्रों का निरीक्षण किया।

विद्यार्थियों के लिए महत्वपूर्ण अवसर

जिला शिक्षा अधिकारी ने अंबाला शहर एवं अंबाला कैंट क्षेत्र के कई केंद्रों का दौरा कर परीक्षा कक्षों की व्यवस्था, बैठने की सुविधा, अनुशासन, सुरक्षा व्यवस्था तथा प्रश्नपत्रों की गोपनीयता की विस्तार से समीक्षा की। निरीक्षण के दौरान जिला शिक्षा अधिकारी सुधीर कालड़ा ने बताया कि सभी परीक्षा केंद्रों पर परीक्षा निर्धारित दिशा-निर्देशों के अनुरूप शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न हुई और कहीं से भी नकल, अव्यवस्था या किसी प्रकार की शिकायत की सूचना प्राप्त नहीं हुई। उन्होंने परीक्षा ड्यूटी में लगे शिक्षकों, कर्मचारियों एवं सुरक्षा कर्मियों के कार्य की सराहना करते हुए कहा कि उनके सहयोग से परीक्षा को सफलतापूर्वक संपन्न कराया जा सका। जवाहर नवोदय विद्यालय कांवला के प्रिंसिपल अजय कुमार ने बताया कि विद्यालय में कक्षा छह की 80 सीटों पर प्रवेश के लिए यह परीक्षा विद्यार्थियों के लिए महत्वपूर्ण अवसर है। उन्होंने कहा कि नवोदय विद्यालय ग्रामीण प्रतिभाओं को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्रदान करने के उद्देश्य से कार्य कर रहे हैं। परीक्षा के शांतिपूर्ण आयोजन से विद्यार्थियों और अभिभावकों में संतोष देखा गया तथा उन्होंने प्रशासन और शिक्षा विभाग की व्यवस्थाओं की सराहना की।

लोक अदालत का किया आयोजन

» कुल 21027 मामलों का निपटारा किया

हरिभूमि न्यूज ⏭ अंबाला

अंबाला। लोक अदालत में समस्याओं के समाधान करते हुए अधिकारी।

हरियाणा राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण पंचकूला के निर्देशानुसार राष्ट्रीय लोक अदालत का आयोजन 13 दिसंबर को किया गया। मुख्य न्यायिक दंडाधिकारी एवं जिला विधिक सेवा प्राधिकरण अम्बाला के सचिव प्रवीन ने बताया की लोगों के लम्बित मामलों का निपटारा करने के लिए समय समय पर लोक अदालतों का आयोजन किया जा रहा है। इस कड़ी में 13 को राष्ट्रीय लोक अदालत का आयोजन किया है। लोक अदालत में वैवाहिक के 115 मामले पारिवारिक विवाद के 476 मामले, आपराधिक के 1184 मामले, भूमि अधिग्रहण एव श्रम विवाद के 476 मामले एंव बैंक रिकवरी के 1039 और 6,20,500 राशि का भुगतान व और कुल 21027 मामलों का निपटारा किया।

हेल्प डेस्क स्थापित किया

इस कड़ी में जिला न्यायालय में हेल्प डेस्क भी स्थापित किया है ताकि लोगों तक इसकी अधिक से अधिक जानकारी पहुँच सके और ज्यादा से ज्यादा लोग इस लोक अदालत का फायदा ले सकें। सचिव, प्रवीन ने बताया कि इसके अलावा बिजली पानी इत्यादि संबधित प्री लिटिगेशन स्टेज पर मुकदमे स्थायी लोक अदालत में लगाकर निपटा, जा सकते है। स्थायी लोक अदालत जिला, डी आर सेंटर अंबाला में स्थापित है।

धोखाधड़ी के मामले में आरोपी गिरफ्तार

अंबाला। आपरेशन हॉट स्पाट डोमिनेशन के तहत अम्बाला पुलिस द्वारा अपराधों की रोकथाम व आपराधिक मामलों में वांछित आरोपियों के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के दौरान थाना नग्गल में दर्ज विदेश भेजने की धोखाधड़ी के मामले में 10 दिसम्बर को पुलिस ने कार्यवाही करते आरोपी सोमनाथ सिहँ निवासी गाँव काकी जालन्धर पंजाब को गिरफ्तार कर न्यायालय के आदेशानुसार 02 दिन का पुलिस रिमाण्ड प्राप्त किया गया था जिसे आज न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया। शिकायतकर्ता अमर निवासी गावँ सुलखनी शाहबाद जिला कुरुक्षेत्र ने 18 अगस्त को थाना नग्गल में शिकायत दर्ज करवाई थी।

मुलाना: पुरानी अनाज मंडी में निर्माणाधीन मकान में चोरी

हरिभूमि न्यूज ⏭ मुलाना

● सीसीटीवी कैमरे की फुटेज में दिखा चोर

मकान से निकलता हुआ चोर।

मुलाना में पुरानी अनाज मंडी में चोरी की एक घटना सामने आई है। यहां एक निर्माणाधीन मकान में अज्ञात चोर घुस गया और वहां से लोहे का सामान तथा बिजली का सामान चोरी कर ले गया। जब यह घटना घटी उस समय मकान पर कोई मौजूद नहीं था। मिली जानकारी के अनुसार, पुरानी अनान मंडी में अशोक जैन के मकान का निर्माण कार्य चल रहा है और वहां लोहे का व बिजली का सामान तथा अन्य सामग्री रखी हुई थी। सुबह जब मकान मालिक मौके पर पहुंचे तो देखा कि वहां से काफी सामान गायब है।

लाठी-डंडों से हमला करने का आरोप

■ जेसीबी में तोड़फोड़; चार घायल, पुलिस मामले की जांच में जुटी

हरिभूमि न्यूज ⏭ मुलाना

थाना मुलाना क्षेत्र के डेरा सुहाना में शुक्रवार सुबह खेत में काम कर रहे एक परिवार पर लाठी-डंडों से हमला करने और जेसीबी मशीन को क्षतिग्रस्त करने का मामला सामने आया है। हमले में एक बुजुर्ग किसान सहित चार लोग घायल हो गए, जिन्हें पहले सिविल अस्पताल मुलाना और बाद में सिविल अस्पताल अंबाला कैंट रेफर किया गया। पीड़ित 65 वर्षीय चूहड़ सिंह पुत्र मुतल्ली राम, निवासी डेरा सुहाना ने पुलिस को दिए बयान में बताया कि वह खेती-बाड़ी करता है और अपने परिवार के साथ डेरा सुहाना में रहता है। 12 दिसंबर को उनके रिश्तेदार सिगारा सिंह अपने दोनों बेटों बलजीत सिंह व सुरजीत सिंह के साथ उनके यहां आए हुए थे। सुबह करीब 9:15 बजे जब वह अपने बेटों, पत्नी और परिवारजनों के साथ खेत में काम कर रहे थे और जेसीबी मशीन से कार्य चल रहा था, तभी गांव के ही कुछ लोग 10-15 युवकों के साथ लाठी-डंडे लेकर मौके पर पहुंचे और अचानक हमला कर दिया। आरोप है कि हमलावरों ने न केवल परिवारजनों के साथ मारपीट की, बल्कि जेसीबी चालक संजीव कुमार के साथ भी मारपीट कर मशीन को नुकसान पहुंचाया। हमले में चूहड़ सिंह, उनकी पत्नी जीतो देवी, भांजा बलजीत सिंह और जेसीबी चालक संजीव कुमार घायल हो गए। शोर मचाने पर आरोपी जान से मारने की धमकी देकर मौके से फरार हो गए।

मामले की जांच जारी

डॉक्टरों के अनुसार कुछ घायलों को प्राथमिक उपचार के बाद छुट्टी दे दी गई, जबकि चूहड़ सिंह का इलाज जारी है। पुलिस ने सिविल अस्पताल अंबाला कैंट में चूहड़ सिंह का बयान दर्ज कर लिया है और मेडिकल रिपोर्ट के आधार पर जांच शुरू कर दी गई है। पीड़ित ने आरोपियों के खिलाफ सख्त कानूनी कार्रवाई और जान-माल की सुरक्षा की मांग की है। पुलिस ने आरोपितों के खिलाफ मामला दर्ज कर कार्यवाही शुरू कर दी है।

100 से अधिक प्रतिभागियों ने ऑनलाइन सहभागिता की

■ एमडीएसडी कॉलेज में एआई पर ऑनलाइन कार्यशाला संपन्न

हरिभूमि न्यूज ⏭ अंबाला

अंबाला। कार्यक्रम में भाग लेते हुए प्रतिभागी। *फोटो: हरिभूमि*

एमडीएसडी कॉलेज में प्रिंसिपल डॉ. सीमा सिंघल की अध्यक्षता में आर्टिफिशियल इंटेलिजन्स इन अकैडमिक लाइब्रेरीज़ विषय पर अंतरराष्ट्रीय ऑनलाइन कार्यशाला का सफल आयोजन किया गया। आयोजन पुस्तकालय विज्ञान विभाग एवं कंप्यूटर विज्ञान विभाग द्वारा संयुक्त रूप से किया गया। कार्यशाला में पंजाब, दिल्ली, राजस्थान, गुजरात, उत्तर प्रदेश, आंध्र प्रदेश, तमिलनाडु, कर्नाटक, पश्चिम बंगाल और चंडीगढ़ सहित देश के विभिन्न राज्यों से प्रतिभागियों ने भाग लिया। इसके साथ कनाडा (ब्रिटिश कोलंबिया), न्यूज़ीलैंड (हॉक्स बे), मस्कट (ओमान), सिंगापुर, यूनाइटेड किंगडम तथा यूएसए से भी 100 से अधिक प्रतिभागियों ने ऑनलाइन सहभागिता की। अध्यक्षीय संबोधन में प्रिंसिपल डॉ. सीमा ने कहा कि इंटेलिजन्स शैक्षणिक लाइब्रेरियों के स्वरूप और सेवाओं में क्रांतिकारी परिवर्तन ला रहा है। स्मार्ट लाइब्रेरी मॉडल, डिजिटल कौशल विकास और भविष्य-उन्मुख तकनीकों को अपनाने पर जोर दिया। कार्यशाला के कन्वीनर डॉ. कौशल चौहान ने कार्यक्रम की थीम पर प्रकाश डाला। कन्वीनर डॉ. निशा शर्मा ने मुख्य अतिथि एवं रिसोर्स पर्सन डॉ. जीतेंद्र पांडे (मस्कट, ओमान) का परिचय करवाया।

बधाई दी

डॉ. पांडे ने अपने व्याख्यान में आर्टिफिशियल इंटेलिजन्स के व्यावहारिक अनुप्रयोगों, चुनौतियों और लाइब्रेरी संचालन को अधिक प्रभावी बनाने पर विस्तार से चर्चा की। उन्होंने एआई आधारित लाइब्रेरी ऑटोमेशन, डेटा एनालिटिक्स, पर्सनलाइज्ड इंफॉर्मेशन सर्विसेज, चैटबॉट्स, मशीन लर्निंग तथा भविष्य की स्मार्ट लाइब्रेरियों की संभावनाओं पर भी प्रकाश डाला। कार्यशाला में उप-प्राचार्य डॉ. निशू बंसल सहित कई फैकल्टी सदस्य ऑनलाइन जुड़े और सक्रिय सहभागिता की। आयोजन सचिव की भूमिका श्रीमती रजनी मित्तल ने निभाई। कार्यक्रम का समापन डॉ. कौशल चौहान द्वारा प्रस्तुत धन्यवाद ज्ञापन के साथ हुआ। कॉलेज के प्रधान अरविंद अग्रवाल, अमित बिंदल तथा प्रिंसिपल डॉ. सीमा सिंघल ने इस सफल आयोजन के लिए डॉ. कौशल चौहान, डॉ. निशा शर्मा और रजनी मित्तल को बधाई दी।

घर का रास्ता खोदकर अवैध कब्जे का प्रयास

हरिभूमि न्यूज ⏭ मुलाना

मारपीट का लगाया आरोप, पुलिस ने किया केस दर्ज

गांव सोहाना में घर जाने वाले रास्ते को लेकर विवाद का मामला सामने आया है। पीड़ित रोशन लाल पुत्र शान चन्द (उम्र 38 वर्ष), निवासी गांव सोहाना ने पुलिस को दिए बयान में आरोप लगाया है कि कुछ लोगों ने आपसी सलाह-मशवरे के बाद जेसीबी मशीन से उनके घर का रास्ता खोदकर अवैध कब्जा करने की कोशिश की और विरोध करने पर उनके व उनके जीजा के साथ मारपीट की। रोशन लाल के अनुसार वह रकबा सोहाना में इलेक्ट्रिशियन बैटरी बनाने की फैक्ट्री चलाते हैं। 10 दिसम्बर को मामा के निधन के कारण वह परिवार सहित कुरुक्षेत्र के गांव कमोदा गए हुए थे। इस दौरान उनकी पत्नी रेखा और बच्चे घर पर अकेले थे। तभी चुहड़ सिंह, जगतार सिंह, सोमनाथ, जीतो देवी, बाबूराम, उसकी पत्नी रीटा, विशाल, रितेश सहित अन्य रिश्तेदारों ने हथियारों व लाठी-डंडों के साथ जेसीबी मशीन से उनके घर जाने वाले रास्ते को खोदकर कब्जा करने का प्रयास किया।

बड़ौदा में सर्विस रोड पर पैचवर्क का काम शुरू

उचाना। बड़ौदा में सर्विस रोड पर बने गहरे गड्ढों से वाहन चालकों को राहत मिली है। यहां पर फ्लाईओवर के दोनों तरफ बने गहरे गड्ढों से छुटकारा दिलाने के लिए पैचवर्क का कार्य चल रहा है। काफी हद तक कार्य पूरा हो चुका है। यहां से आने-जाने वाले वाहन चालकों को गहरे गड्ढों के चलते हादसा होने का डर रहता था। गांव की तरफ जो सर्विस रोड है वहां तो काफी गहरे गड्ढे होने के चलते दोपहिया वाहन चालक चोटिल तक हो चुके थे। बारिश के मौसम में पानी भरने से वाहन चालक को गड्ढों का पता नहीं होने से वाहन पलटते-पलटते बचते थे।

पुलिस ने चलाया कोंबिंग अभियान

■ आपराधिक मामलों में वांछित आरोपितों के खिलाफ चलाया

हरिभूमि न्यूज ⏭ अंबाला

आपरेशन हॉट स्पाट डोमिनेशन के तहत अंबाला पुलिस द्वारा अपराधों की रोकथाम व आपराधिक मामलों में वांछित आरोपियों के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के दौरान इसी कड़ी में आज प्रबन्धक थाना साहा व पुलिस टीम ने थाना साहा क्षेत्र गाँव केसरी, रेलवे स्टेशन केसरी, गाँव बीहटा, औद्योगिक क्षेत्र अम्बाला साहा रोड पर विशेष कोम्बिंग अभियान चलाया। पुलिस टीमों ने नशा करने वाले व्यक्तियों/जुआरियों/स्टोरियों, असामाजिक तत्वों, आवारगर्द व्यक्तियों के अड्डों पर अचानक छापेमारी करते हुए व्यापक कॉम्बिग अभियान चलाया। जिसमें आमजन की सुरक्षा सुनिश्चित करने, कानून व्यवस्था बनाए रखने, संदिग्ध व्यक्तियों की पहचान करने एवम अपराधों, नशे/सट्टा-जुआ की रोकथाम के लिए बस अड्डों, ढाबों, धर्मशालाओं, टैक्सी स्टैण्डों, बाज़ार, भीड़-भाड़ वाले क्षेत्रों, संदिंग्ध रास्तो, खाली स्थानो, खंडहरो में गहनता से कॉम्बिग अभियान चलाया।

आम नागरिकों की सुरक्षा सुनिश्चित हो

इस मौके पर उन्होने कहा कि जो घुमन्तू जाति के लोग जो झुग्गी-झोपडियों में अभी कुछ ही समय से आकर रहने लगे हो उनकी गहनता से जाँच करें कि उनमें या उनके आसपास कोई अपराधिक प्रवृति का व्यक्ति छिपा ना हो, ऐसे व्यक्तियों को तुरन्त गिरफ्तार कर उचित कार्यवाही करें ताकि किसी भी प्रकार की अप्रिय घटना से बचा जा सके और आम नागरिकों की सुरक्षा सुनिश्चित की जा सके। पुलिस द्वारा चलाया गया यह अभियान क्षेत्र में कानून एवम व्यवस्था मजबूत करने, अपराधियों में भय का माहौल बनाने तथा नागरिकों में सुरक्षा की भावना बढ़ाने के उद्देश्य से किया गया है।

1.635 किलोग्राम चरस सहित महिला गिरफ्तार

हरिभूमि न्यूज ⏭ अंबाला

आरोपी महिला से गहनता से पूछताछ की जाएगी

पुलिस द्वारा नशे के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के दौरान 13 दिसम्बर को थाना सैक्टर-9 अम्बाला शहर क्षेत्र से नशा तस्करी के मामले में एएनसी सैल निरीक्षक ऋषि पाल व पुलिस टीम ने तुरन्त कार्यवाही करते हुए आरोपी महिला दिव्या को 01 किलो 635 ग्राम चरस सहित गिरफ्तार कर माननीय न्यायालय के आदेशानुसार 03 दिन का पुलिस रिमाण्ड प्राप्त किया गया। रिमाण्ड के दौरान आरोपी महिला से गहनता से पूछताछ की जाएगी। इस मामले की जानकारी देते हुए एएनसी के निरीक्षक ऋषि पाल ने बतलाया कि 13 दिसम्बर 2025 को सूचना मिली थी कि आरोपी महिला दिव्या हिमाचल की रहने वाली है जिसकी 2002 में फरीदाबाद में शादी हुई थी। उसके बाद उसका वहां से तलाक हो गया और तलाक के बाद 2021 से कुलदीप सिहँ के साथ लिव इन रिलेशनशिप में लक्ष्मी नगर जण्डली में रह रही है। कुलदीप उर्फ गोल्डी जो इसका पति है वह टूर एण्ड टर्नर का काम करता है।

कलायत में नेशनल हाईवे-एक्सप्रेसवे पर सड़क हादसा

कैथल: दो रोडवेज बस और एक ट्रक क्षतिग्रस्त

हरिभूमि न्यूज ⏭ कैथल

कैथल के चंडीगढ़-हिसार राष्ट्रीय मार्ग पर गांव कैलरम के पास धान की ट्राली को पीछे से ट्रक की टक्कर लगने से पीछे चल रही हरियाणा राज्य परिवहन की दो बसें व एक निजी गाड़ी दुर्घटना ग्रस्त हो गई। इसमें कई लोगों को चोटें आई। मुख्य मार्ग पर काफी समय तक सडक़ व्यवस्था प्रभावित रही।

कलायत थाना प्रबंधक बलबीर सिंह के निर्देश पर डायल 112 व अन्य पुलिस टीमों ने व्यवस्था को संभाला। क्षतिग्रस्त वाहनों को सडक़ के बीच से हटाते हुए घायलों को संभाला गया। शनिवार को जम्मू-कटरा एक्सप्रेस वे पर भी दुर्घटना हुई। इसमें दिल्ली से अमृतसर की तरफ जा रहा एक ट्रक अचानक बीच सडक़ पलट गया। वाहन में चालक सहित तीन लोग फंस गए। सूचना मिलते ही डायल 112 मौके पर पहुंची। टीम प्रभारी जोगेंद्र सिंह ने बताया कि वाहन में फंसें लोगों को मशक्कत से बाहर निकाला गया और उपचार के लिए अस्पताल भेज गए।

थाना प्रभारी बलबीर सिंह ने बताया कि नेशनल हाईवे व एक्सप्रेसवे पर पर हुए सडक़ हादसों को लेकर किसी ने कोई शिकायत कार्यवाही के लिए नहीं दी। रेलवे रोड पर हुए हादसे में जान गंवाने वाली महिला के परिजनों ने आल्टो कार चालक पर लापरवाही का आरोप लगाते हुए मामला दर्ज करवाया है। थाना प्रबंधक ने लोगों से सडक़ पर सुरक्षित एवं सावधानी से सफर करने की अपील की है।

कलायत। दुर्घटनाग्रस्त ट्रक।

कलायत। नेशनल हाई-वे पर दुर्घटनाग्रस्त राज्य परिवहन की बसें।

25 वर्ष से फरार चल रहा आरोपित गिरफ्तार

हरिभूमि न्यूज ⏭ जींद

ऑपरेशन हॉटस्पोट डोमिनेशन अभियान के तहत उचाना मंडी चौकी पुलिस ने 25 साल से फरार चल रहे आरोपि को गिरफ्तार किया है। उचाना मंडी चौकी के इचांर्ज उपनिरीक्षक अनील कुमार ने शनिवार को जानकारी देते हुए बताया कि थाना उचाना के तहत 30 अगस्त 1997 को वांछित आरोपित उचाना खुर्द निवासी मिथा को धारा 188, 332, 333, 353, 409, 506, 427 आईपीसी के तहत अदालत ने वर्ष 2001 में सात वर्ष कारावास की सजा सुनाई थी। सजा के उपरांत मिथा ने पंजाब एवं हरियाणा उच्च न्यायालय से से जमानत प्राप्त कर अपने गांव उचाना खुर्द से फरार हो गया तथा फरारी के दौरान आरोपित ने अपना नाम बदल कर कर्मबीर रख लिया तथा विभिन्न स्थानों पर संस्कृत, रामायण, महाभारत एवं वेदों के प्रचार-रप्रसार की आड़ में अपनी पहचान छुपा कर जीवन व्यतीत कर रहा था। पंजाब एवं हरियाणा हाईकोटए चंडीगढ़ द्वारा सजा बरकरार रखे जाने के पश्चात भी फरार आरोपित का कोई सुराग नही मिल पा रहा था। इसी दौरान चौकी मंडी उचाना पुलिस ने तकनीकि सूचना के आधार पर आरोपित मिथा वासी उचाना को चनालहेड़ी (कुरुक्षेत्र) से आरोपित को नियमानुसार गिरफ्तार किया। आरोपित मिथा को अदालत में पेश करके पुलिस आगामी कार्यवाही नियमानुसार अमल में लाई जा रही है।

हरिभूमि
आवश्यक सूचना
जिन पाठकों को अखबार मिलने में किसी भी प्रकार की असुविधा हो रही हो या उनके घर में कोई अन्य अखबार दिया जा रहा हो वह इन टेलीफोन नम्बरों पर सम्पर्क करें या व्हाट्सअप करें :-
हरिभूमि, नजदीक इण्डस पब्लिक स्कूल, दिल्ली रोड, रोहतक
ऑफिस नं.: 9253681019-20, फोन : 9253681010, 9253681005

आज के दौर में रुपए, पैसे, गोल्ड, प्रॉपर्टी से कहीं ज्यादा मूल्यवान हो चुका है हमारा डेटा। इसीलिए इसको लेकर आम आदमी ही नहीं दुनिया भर की सरकारें भी चिंतित हैं। दरअसल, डेटा लीक या डेटा चोरी होने से इसका मिसयूज तो हो ही सकता है, हमारी सोच हमारी जीवनशैली को भी प्रभावित किया जा सकता है। डेटा की इंपॉर्टेंस और उसके प्रोटेक्शन के बारे में सभी को पता होना चाहिए।

हम सभी के लिए आवश्यक डेटा प्रोटेक्शन

कवर स्टोरी

लोकमित्र गौतम

यह इस साल या किसी एक देश की समस्या नहीं है। पिछले एक दशक से दुनिया के लगभग सभी देशों में सरकार, कॉरपोरेट जगत और आम लोगों के बीच लगातार डेटा प्रोटेक्शन को लेकर बहस से लेकर विचार-विमर्श तक जारी है। पिछले पांच सालों में दुनिया के एक दर्जन से ज्यादा देशों ने आम लोगों के डेटा सुरक्षा के लिए बेहद कड़े कानून बनाए हैं। पिछले महीने 14 नवंबर से हमारे यहां भी डिजिटल पर्सनल डेटा प्रोटेक्शन एक्ट 2023 (डीपीडीपी) कानून के रूप में अधिसूचित हो चुका है, जो अगले 18 महीनों में पूरी तरह से अपने सभी प्रावधानों के साथ आम लोगों के डेटा की सुरक्षा करेगा।

हर तरफ आज डेटा की ही चर्चा सुनाई पड़ती रहती है। चाहे बड़ी-बड़ी कॉरपोरेट कंपनियां हों, चाहे अदालतें हों, चाहे बड़े-बड़े वित्तीय संस्थान हों, सरकारें हों, हर जगह डेटा का शोर है। आखिर ये डेटा क्या बला है, जिससे आज की जिंदगी का लगभग हर पहलू जुड़ा हुआ है। आइए, सबसे पहले समझते हैं कि आखिर यह डेटा है क्या?

क्या होता है डेटा: जब हम डेटा कहते हैं तो उसका मतलब आमतौर पर आम आदमी के डेटा से ही होता है, तो आम आदमी का डेटा आज उतना ही महत्वपूर्ण या कीमती है, जितना खनिज तेल, सोना, घातक हथियार जैसी दूसरी चीजें हैं। इसकी वजह सिर्फ तकनीकी नहीं है बल्कि दुनिया भर के लोगों का रोजमर्रा का आम व्यवहार, विभिन्न देशों में होने वाले चुनाव, अरबों-खरबों की होने वाली खरीदारी और हर तरह के कारोबार के मूल में आम आदमी का डेटा ही है। आम आदमी का डेटा वह बुनियादी मनोविज्ञान है, जिस पर कोई भी कंपनी, कोई भी सरकार या माफिया हर समय कब्जा जमाने की कोशिश में रहता है। इसे और भी विस्तार से इस तरह समझ सकते हैं कि डेटा आज इंसान का पूरा डिजिटल प्रोफाइल या बायोडाटा है।

इसलिए माना जाता है मूल्यवान: आज लगभग हर कंपनी चाहती है कि उसके पास ज्यादा से ज्यादा लोगों का डेटा हो, जिससे वह अपनी बिजनेस रणनीति गढ़ सके और भरपूर कमाई सुनिश्चित कर सके। दरअसल, डेटा से कॉरपोरेट जगत को पता चलता है- आपकी उम्र, आपकी कमाई, आपकी रुचियां, आपकी पसंद-नापसंद, आपके ऑनलाइन रहने का समय, आपकी खरीदारी की खास चीजें, आप किन चीजों से प्रभावित होते हैं और किन से आपका मूड खराब होता है? कहने का मतलब आपका डेटा आपकी पूरी तरीके से जीवन कुंडली बन चुकी है, जिसे कोई भी कॉरपोरेट कंपनी जानकर आपकी पसंदीदा चीजों का उत्पादन, व्यापार आदि कर सकती है। कहना गलत नहीं होगा कि इसी डेटा की बदौलत आज विभिन्न उपभोक्ता सामान बनाने वाली कंपनियां अपने ग्राहकों के बारे में उनके परिवार के लोगों से भी ज्यादा जानती हैं।

डेटा बताता है आपकी रुचियां: डेटा आज के कॉरपोरेट जगत का सबसे बड़ा कारोबार है। इसकी बदौलत कंपनियों को अरबों, खरबों का फायदा और न जानने से नुकसान होता है। दरअसल, आज कॉरपोरेट जगत की सबसे बड़ी रणनीति है, डिजिटल टारगेटिंग। आपने महसूस किया होगा कि सोशल मीडिया में (मसलन फेसबुक या यू-ट्यूब में) आप जिस तरह की पोस्ट को लाइक करते हो, उस पर ज्यादा देर तक रुकते हो, कुछ देर के बाद इंटरनेट आपको उसी तरह की पोस्ट दिखाने लगता है। दरअसल, ये उसी आर्टिफिशियल लर्निंग का नतीजा है, जो अकसर कंपनियां लोगों के डेटा के जरिए हासिल करती हैं। अगर आपने किसी एप से तनाव, मेडिटेशन आदि की जानकारी ली है, तो आप तो एक बार जानकारी ले करके बंद कर देंगे, लेकिन अगली बार जब आप अपना मोबाइल या लैपटॉप खोलेंगे तो वैसी ही जानकारियों का सैलाब उमड़ रहा होगा। अगर किसी फूड एप से आपने रात में 10-11 बजे किसी दिन फूड ऑर्डर कर दिया, तो अगले दिन से आपकी देखी जाने वाली हर जगह पर देर रात के एक से बढ़कर एक व्यंजनों के ललचाऊ ऑफर बार-बार आपकी आंखों के सामने से गुजरेंगे। दरअसल, वो आपको टारगेट कर रही हैं कि आपने एक दिन अगर देर रात फूड ऑर्डर किया है तो बार-बार करिए। इस तरह कई बार न चाहते हुए भी लोग इस डेटा चक्रव्यूह में फंसते जाते हैं।

सोच को भी करता है प्रभावित: आज की तारीख में जिस कॉरपोरेट कंपनी के साथ आम लोगों का जितना बड़ा डेटा बैंक होगा, उसे उतना ही ज्यादा व्यापार लाभ होगा, क्योंकि उसके कारोबार में सफल होने की उतनी ही ज्यादा संभावनाएं होंगी। सिर्फ खाने पीने की चीजें या रोजमर्रा की शॉपिंग के लिए ही कंपनियां आपको आपके डेटा से नहीं प्रभावित करतीं बल्कि आपके डेटा से आपकी सोच और आपके विचार तक प्रभावित होते हैं, बदले जा सकते हैं या उन्हें जानकर आपको प्रभावित करने की ठोस रणनीति गढ़ी जा सकती है। लब्बोलुआब यह कि लोकतांत्रिक देशों में राजनीतिक पार्टियां आम लोगों के डेटा के बदौलत उनके सोच और उनके विचारों तक को अपने पक्ष में मोड़ लेती हैं। मतलब यह कि आपके डेटा की बदौलत प्रत्यक्ष रूप से आपको प्रभावित किए बिना भी राजनीतिक पार्टियां आपसे अपने पक्ष में मतदान करवा सकती हैं। मतलब सिर्फ मोबाइल स्कैम नहीं है यह किसी के दिमाग को अपनी मुट्ठी में कैद करने जैसा है।

बढ़े हैं फाइनेंसियल स्कैम्स: यह डेटा ही है, जिसकी बदौलत पिछले एक दशक में वित्तीय अपराधों की बाढ़ आ गई है। पिछले एक दशक में भारत ही नहीं पूरी दुनिया में वित्तीय अपराधों में 500 फीसदी से ज्यादा की बढ़ोत्तरी हुई है, क्योंकि इसी डेटा की बदौलत साइबर अपराधी, बैंकिंग फ्रॉड करते हैं, लोन धोखाधड़ी करते हैं, सिम स्वैप होता है। इसी डेटा से पिछले एक दशक में पूरी दुनिया में लाखों लड़कियों और महिलाओं को ब्लैकमेल किया गया है। इसलिए आज की तारीख में हम सभी के लिए डेटा प्रोटेक्शन बहुत ही जरूरी हो गया है। *

अपने डेटा को ऐसे रखें सुरक्षित

आपको वो तरीके भी जानने चाहिए, जिससे डेटा प्रोटेक्शन किया जा सकता है।

- हर जगह अपने पासवर्ड को ओपेन न रखें। अपना पासवर्ड कुछ बेहद व्यक्तिगत डेटा से निर्मित करें, क्योंकि देखा गया है कि ज्यादातर लोगों के पासवर्ड एक जैसे और अनुमानित होते हैं।
- आज की डिजिटल दुनिया में खुद को सुरक्षित रखने के लिए दो स्तरीय सुरक्षा जरूर करें। व्हाट्सएप, फेसबुक, गूगल, यूपीआई सबमें इसे ऑन करें, ताकि अगर आपका कोई पासवर्ड चुरा भी ले तो एकाउंट न खोल पाए।
- हर एप को अनावश्यक परमिशन न दें। जब भी आप किसी एप का इस्तेमाल करने की कोशिश करते हैं, तो वह आपसे कैमरा, आपकी लोकेशन, माइक्रोफोन, कॉन्टेक्ट आदि को साझा करने की शर्त रखता है। सोच-समझकर परमिशन दें।
- पब्लिक वाइफाई पर बैंकिंग या यूपीआई का इस्तेमाल बिल्कुल न करें। इससे आपकी वित्तीय सुरक्षा खतरे में पड़ सकती है। कॉफी शॉप, रेलवे स्टेशन, मॉल आदि की पब्लिक वाइफाई सबसे ज्यादा असुरक्षित होती है।
- हर दो-तीन महीने में एप्स की सफाई करना जरूरी है। अगर आपके मोबाइल में 30-40 अनुपयोगी एप्स हैं, तो याद रखिए वो बैकग्राउंड में चुपचाप पड़े अपने मालिकों को आपकी जरूरी सूचनाएं यानी डेटा भेज रहे होते हैं। इसलिए हर दो महीने में अपने मोबाइल से उन सारे एप्स को डिलीट करें, जिन्हें आप इस्तेमाल नहीं कर रहे हैं। सोशल मीडिया पर ओवर शेयरिंग से बचें।
- मोबाइल स्क्रीन को हमेशा लॉक करके रखें और पिन कभी अपनी जन्मतिथि या बहुत ईजी न बनाएं। पिन और पास वर्ड हमेशा मजबूत रखें।
- बैंकिंग ओटीपी, केवाईसी लिंक किसी को न भेजें, चाहे वह कितना ही बड़ा अधिकारी ही क्यों न हों।

विशेषः विश्व ऊर्जा संरक्षण दिवस आज

हमारी पृथ्वी पर ऊर्जा के कुछ संसाधन सीमित मात्रा में हैं। ऐसे में आने वाली पीढ़ियों के लिए ऊर्जा की अधिक से अधिक बचत और संरक्षण बहुत जरूरी है। इस बारे में हम सभी के लिए जानना बहुत जरूरी है, तभी छोटे-छोटे प्रयासों से ऊर्जा संरक्षण में हम अपनी भूमिका निभा सकते हैं।

सुरक्षित भविष्य के लिए जरूरी है ऊर्जा की बचत और संरक्षण

सजगता

शिखर चंद जैन

वर्ष 1991 में ऊर्जा दक्षता ब्यूरो (बीईई) के द्वारा ऊर्जा संरक्षण दिवस मनाने की शुरुआत की गई थी। तब से दुनिया भर में हर साल 14 दिसंबर को ऊर्जा संरक्षण दिवस मनाया जाता है। इसका मूल उद्देश्य है ऊर्जा की कमी, जरूरत और संरक्षण के महत्व के बारे में जागरूकता फैलाना।

ऊर्जा के प्रकार: ऊर्जा की बचत के तरीकों को जानने से पहले इसके प्रकारों के बारे में जानना जरूरी है। इसके विभिन्न स्रोतों को नवीकरणीय (रीन्यूएबल) और अनवीकरणीय (नॉन रीन्यूएबल) दो मुख्य श्रेणियों में बांटा जाता है।

नवीकरणीय: नवीकरणीय स्रोतों में सौर, पवन, जल (जलविद्युत), भूतापीय और बायोमास ऊर्जा शामिल होते हैं, जो प्राकृतिक रूप से रिसाइकिल हो जाते हैं।

अनवीकरणीय ऊर्जा स्रोत: अनवीकरणीय स्रोतों में कोयला, पेट्रोलियम (तेल), प्राकृतिक गैस जैसे जीवाश्म ईंधन और परमाणु ऊर्जा शामिल हैं, जो सीमित मात्रा में हैं और एक बार उपयोग होने पर समाप्त हो जाते हैं।

क्यों जरूरी है ऊर्जा संरक्षण: ऊर्जा संरक्षण के कई आर्थिक लाभ तो हैं ही, इससे पर्यावरण की सुरक्षा भी होती है। हमें यह भी याद रखना चाहिए कि ऊर्जा के संसाधन सीमित हैं, इसलिए इसे बचाना बेहद जरूरी है। यह ऊर्जा की लागत को कम करने, जीवाश्म ईंधन पर निर्भरता घटाने और ग्रीनहाउस गैस उत्सर्जन को कम करने में मदद करता है। इससे वायु प्रदूषण और ग्लोबल वार्मिंग जैसी समस्याओं से लड़ने में मदद मिलती है। उर्जा संरक्षण प्राकृतिक संसाधनों को भविष्य की पीढ़ियों के लिए सुरक्षित रखता है। ऊर्जा का कुशल उपयोग राष्ट्रीय सुरक्षा को भी मजबूत करता है। ऊर्जा संरक्षण से बिजली और ईंधन के बिलों में कमी आती है, जिससे उपभोक्ताओं को पैसे बचाने में मदद मिलती है। ऊर्जा की कम मांग से नए बिजली संयंत्रों की आवश्यकता कम होती है, जो कि प्राकृतिक संसाधनों और बुनियादी ढांचे पर पड़ने वाले दबाव को कम करता है।

छोटे कदमों का बड़ा प्रभाव: ऊर्जा संरक्षण के लिए बहुत बड़े प्रयासों के अलावा, छोटे कदम भी उठाए जा सकते हैं। अगर आप विशेषज्ञों द्वारा बताई गई कुछ बातों पर ध्यान दें तो आप ऊर्जा और आर्थिक खर्च में भी बचत कर सकते हैं।

ऑफ रखें उपकरण: जब आप उपकरणों का इस्तेमाल न कर रहे हों तो सभी बिजली और इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों को बंद कर दें, क्योंकि स्टैंडबाय मोड में भी वे बिजली की खपत करते हैं। कोई कंप्यूटर बंद करने पर, स्लीप मोड पर रखने की तुलना में 10 गुना कम ऊर्जा की खपत कर सकता है। एक टीवी स्टैंडबाय मोड में एक वर्ष में 70 यूनिट तक बिजली खर्च कर सकता है। सभी इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों को बंद करने से साल में 5000 रुपए से 6000 रुपए तक बचाए जा सकते हैं।

इससे बिजली होगी कम खर्च: ज्यादा पुराना फ्रिज आधुनिक फ्रिज की तुलना में चार गुना ज्यादा बिजली खर्च करता है। घर के उपकरण जैसे फ्रिज का दरवाजा बार-बार खोलने और बंद करने से बिजली की खपत बढ़ जाती है। फ्रिज के पीछे की कूलिंग कॉइल पर धूल जमने से इसकी क्षमता घट जाती है, जिससे मोटर को अधिक काम करना पड़ता है और बिजली खर्च होती है। अपने फ्रिज को ओवन या स्टोव के पास न रखें, क्योंकि इससे बिजली की खपत बढ़ जाती है। लैपटॉप या डेस्कटॉप में, मॉनिटर अकेले ही पूरे सिस्टम की आधी से अधिक ऊर्जा का उपभोग करता है।

वाशिंग मशीन में गर्म पानी का तापमान कम करने से बिजली बचाई जा सकती है। एसी का इस्तेमाल करते समय, खिड़कियों पर पर्दे लगाएं ताकि कमरे की ठंडक बाहर न निकले। एसी फिल्टर को हर पंद्रह दिन में एक बार साफ करने से कंप्रेसर पर लोड कम होता है, जिससे ऊर्जा की बचत होती है। एसी को सीधे धूप से बचाएं, ताकि बिजली की खपत कम हो सके। माइक्रोवेव ओवन पारंपरिक इलेक्ट्रिक या गैस स्टोव की तुलना में कम ऊर्जा की खपत करते हैं। नया इलेक्ट्रॉनिक्स रेगुलेटर पुराने किस्म के रेगुलेटर की तुलना में अधिक ऊर्जा बचाता है। इन उपायों से ऊर्जा संरक्षण में अपनी भूमिका निभा सकते हैं। *

पुस्तक चर्चा / विज्ञान भूषण

निर्भीक-बेबाक आत्मकथा

वरिष्ठ साहित्यकार उद्भ्रांत की आत्मकथा 'मैंने जो जिया' का तीसरा खंड 'काली रात का मुसाफिर' हाल में छपकर आया है। इसमें उन्होंने वर्ष 1987 से 1995 तक की अवधि के अपने जीवन का वर्णन किया है। कुल इक्कीस अध्यायों में बंटे उनकी इस अवधि की जीवनयात्रा में आए अनेक पहलू उजागर हुए हैं। इन अध्यायों के शीर्षक उन्होंने अपनी कविताओं से ही लिए हैं, जो उनके जीवन संघर्ष को प्रभावी ढंग से व्यक्त करते हैं। इससे गुजरते हुए यह साबित होता है कि वे अपने जीवन में एकसाथ कई मोर्चों पर संघर्ष करते रहे हैं। चाहे कार्यस्थल हो, पारिवारिक जीवन हो या साहित्य जगत, उन्होंने बिना किसी पक्षपात के पूरी बेबाकी से अपनी गाथा लिखी है। कहने की जरूरत नहीं कि यह ईमानदारी ही इस आत्मकथा को और भी महत्वपूर्ण बनाती है। बहुस्तरीय द्वंद्वों के बावजूद वे कैसे अपनी रचनाशीलता बचाए रखते हैं, यह नए रचनाकारों के लिए प्रेरक हो सकता है। औपन्यासिक शैली में लिखे जाने के कारण इसे पढ़ने में रोचकता और बढ़ जाती है क्योंकि इसमें वह स्वयं एक पात्र के रूप में नजर आते हैं। *

पुस्तक: काली रात का मुसाफिर (आत्मकथा), **लेखक:** उद्भ्रांत, **मूल्य:** 499 रुपए, **प्रकाशक:** अमन प्रकाशन, कानपुर

व्यंग्य / विनय मोघे

मंच पर दूल्हा-दुल्हन के बगल में बैठने वालों के हाथों में या खुद दूल्हा-दुल्हन के गले में भी क्यू आर कोड लटकाया जा सकता है। दूल्हे को नोटों की माला पहनाने के स्थान पर क्यू आर कोड की माला पहनाने से भी मेहमान अपना-अपना नेग चलते-फिरते भी दे सकेंगे।

शगुन@क्यूआर कोड

हाल ही में मुझे एक शादी समारोह में जाना था। कहीं भी सपरिवार पहुंचने में मुझे हमेशा देर ही हो जाती है। इसका कारण विश्वव्यापी है। श्रीमती जी को तैयार होने में देरी। पर उस दिन अनहोनी हो गई। मैं अपने मित्र के पुत्र की शादी में जरूरत से कहीं जल्दी पहुंच गया वह भी सपरिवार। उसके बाद शुरू हुआ गलतफहमियों का दौर। पहली गलतफहमी हमको हुई कि कहीं गूगल ने हमें गलत पते पर तो नहीं पहुंचा दिया है। उसके बाद वहां हमसे भी पहले पहुंचे कुछ लोगों को गलतफहमी हुई। किसी ने हमें टेंट वाला, डीजे वाला, केटरर्स, बैंड, बग्गी वाला और न जाने क्या-क्या समझ लिया। हम वहां जल्दी पहुंचने पर शर्मिंदा हो रहे थे। यह घटनास्थल भी शहर से बहुत दूर सूनसान इलाके में था, जहां आस-पास भी टाइम पास करने की कोई जगह नहीं थी। सो मैंने पत्नी से घर वापस चलने के लिए कहा पर वह तैयार नहीं हुईं, क्योंकि घर जाकर खाना बनाने का उनका मूड नहीं था। रास्ते में किसी होटल में खा लेंगे, मेरे ऐसा कहने पर वह तैयार हुईं। पर अब दूसरी समस्या थी कि साथ लाए शगुन के लिफाफे को किसे देकर जाएं ताकि हमारी उपस्थिति दर्ज हो जाए। पर उस जगह वहां ऐसा कोई नहीं था, जिसे हम लिफाफा सुपुर्द कर सकते। तो हमने लिफाफे के साथ ही घर के लिए प्रस्थान किया।

घर तक पहुंचने के एक घंटे के सफर में मैंने शादियों में क्यू आर स्कैनर के उपयोग पर बहुत गंभीरता से विचार किया। मैंने सोचा कि यदि आज उस जगह पर क्यू आर स्कैनर लगा होता तो हमें अपना लिफाफा वापिस ले जाने की नौबत नहीं आती। यदि क्यू आर कोड, निमंत्रण पत्र पर ही छपवा दें तो जो लोग शादी में नहीं आ सकते, वे भी अपनी आशीर्वाद राशि घर बैठे दे सकते हैं। शादी समारोह स्थल के मुख्य द्वार पर भी क्यू आर कोड लगाया जा सकता है। उन लोगों के लिए, जो बाहर से ही कल्टी मारना चाहते हैं। उसके बाद मंच पर दूल्हा-दुल्हन के बगल में बैठने वालों के हाथों में या खुद दूल्हा-दुल्हन के गले में भी क्यू आर कोड लटकाया जा सकता है। दूल्हे को नोटों की माला पहनाने के स्थान पर क्यू आर कोड की माला पहनाने से भी मेहमान अपना-अपना नेग चलते-फिरते भी दे सकेंगे। खाने की प्लेट पर भी क्यू आर कोड प्रिंट करवाया जा सकता है। जैसे ही खाने के लिए प्लेट उठाओ पहले पेमेंट करो बाद में खाना खाओ। यह तो हुई मेहमानों के लिए क्यू आर स्कैनर की बात। अब जरा वर-वधु पक्ष और अन्य पक्षों के लिए क्यू आर कोड की भी बात कर ली जाए।

दूल्हे की सालियां जूते छिपाने वाली रस्म का नेग अपने क्यू आर कोड पर लेने लगेंगी तो कैसा लगेगा! यदि एक साली हुई तब तो ठीक पर इसकी संभावना कम ही है। एक से ज्यादा सालियां होने पर क्यू आर कोड का उपयोग करना मुश्किल होगा। यदि शगुन की रकम कम ज्यादा हुई तो जूते के शगुन के लिए सालियों में ही संघर्ष होने की संभावना हो सकती है।

पंडितजी भी अपना क्यू आर कोड लेकर बैठेंगे और समय-समय पर अपनी दक्षिणा लेते रहेंगे। बैंड-बाजे और ढोलक वालों को अपना नेग लेने में थोड़ी परेशानी का सामना करना पड़ सकता है। उन्हें दो-तीन काम एक साथ करने होंगे। बजाना भी होगा, नेग देने वालों पर नजर रखकर अपना क्यू आर कोड रेंज में रखना होगा। बैंड-बाजे, ढोलक और लाइट वालों को वैसे भी इसकी आदत है। यह भी हो सकता है कि बारात की विदाई के मौके पर दूल्हे का बाप अपना क्यू आर कोड लेकर अड़ जाए कि जब तक फलां रकम का भुगतान मेरे क्यू आर कोड पर नहीं होगा, बारात यहां से नहीं जाएगी। आप तो बस देखते जाइए आगे होता है क्या-क्या! *

पर्यटन स्थल
वीना गौतम

प्राकृतिक सौंदर्य-आनंद का अरण्य
नंदन कानन वन

कई पुराणों, रचनाओं में वर्णित नंदन वन आज भी अपने नैसर्गिक सौंदर्य के साथ उपस्थित है। यहां पहुंचकर आनंद और प्रकृति के सान्निध्य की अनोखी अनुभूति होती है। नंदन वन के सौंदर्य और महत्ता को पुनः हासिल करना चाहते हैं, तो हमें नंदन वन को संरक्षण देना होगा। इस वन की विशेषताओं और महत्ता के बारे में जानिए।

नंदन वन-यह शब्द सुनते ही मन में एक दिव्य, हरा-भरा और संगीतपूर्ण वातावरण का चित्र उभरता है। वास्तव में यह केवल एक भौगोलिक स्थल भर नहीं बल्कि आध्यात्मिक और सांस्कृतिक प्रतीक है। जिस तरह अपने देश में स्थित दंडकारण्य को युगों पहले तप और त्याग की भूमि माना जाता रहा था और नैमिषारण्य को ज्ञान की स्थली माना जाता था। उसी तरह नंदन वन आनंद, सौंदर्य और प्राकृतिक सामंजस्य की भूमि के तौर पर जाना जाता है।

प्राचीन-पौराणिक उल्लेख

इस वन का उल्लेख वेद, महाभारत, रामायण, भागवत पुराण और विष्णु पुराण में स्वर्गलोक के बागीचे के रूप में मिलता है। लेकिन इसकी पृथ्वीलोक में भी अपनी भौतिक उपस्थिति थी, जहां पुण्य आत्माएं अपने कर्मों के मुताबिक विश्राम करती थीं। अगर हम पौराणिक दृष्टि से देखें तो महर्षि नारद और इंद्र के संवादों में बार-बार नंदन वन का उल्लेख मिलता है। कुल मिलाकर प्रतीकात्मक अर्थ में नंदन वन, मनुष्य के भीतर सौंदर्य, आनंद और आत्मिक शांति का प्रतीक माना जाता रहा है, जो हमें यह याद दिलाता है कि सच्चा आनंद और सौंदर्य बाहरी वस्तुओं से नहीं बल्कि भीतरी मन और प्राकृतिक संतुलन में ही संभव है।

अब हो गया नंदन कानन वन

यहां जिस नंदन वन की ऐतिहासिकता और सांस्कृतिक पृष्ठभूमि का उल्लेख कर रहे हैं, वह अब नंदन कानन वन के नाम से जाना जाता है, जो मौजूदा ओडिशा राज्य में एक आधुनिक अभ्यारण्य के रूप में मौजूद है। यह नंदन कानन वन, जैविक उद्यान या जियोलॉजिकल पार्क के रूप में भी जाना जाता है, यह प्राचीन और पौराणिक नंदन वन का आधुनिक रूप है। यह उद्यान भुवनेश्वर से करीब 15 किलोमीटर दूर जूनागढ़ वन क्षेत्र में स्थित है, जिसका नामकरण 29 दिसंबर 1960 को 'नंदन कानन' के रूप में हुआ था।

रहते हैं कई प्रजातियों के जंतु

आज की तारीख में नंदन कानन महज जैविक उद्यान भर नहीं है बल्कि भारत के प्रमुख चिड़ियाघरों में से एक है। 437 हेक्टेयर क्षेत्रफल में फैले इस जैविक उद्यान में 157 प्रजातियों के तकरीबन 3517 से अधिक जानवर रहते हैं। इनमें सफेद बाघ, शेर, हाथी, मगरमच्छ और विभिन्न प्रजातियों के पक्षी शामिल हैं। यह उद्यान केवल वन्यजीवों का संरक्षण नहीं करता बल्कि पर्यावरणीय शिक्षा और जैव विविधता के महत्व को भी बढ़ावा देता है। यहां की व्हाइट टाइगर सफारी, लायन सफारी और बटरफ्लाई पार्क पर्यटकों के आकर्षण का प्रमुख केंद्र हैं।

पर्यावरणीय-सांस्कृतिक महत्ता

नंदन कानन जैविक उद्यान का आज की तारीख में पौराणिक से ज्यादा पर्यावरणीय महत्व है। यह स्थान न केवल वन्यजीवों का घर है बल्कि जैव विविधता, पर्यावरणीय शिक्षा और प्राकृतिक सौंदर्य का भी केंद्र है। यहां स्थित कंजिया झील और आस-पास के जंगल क्षेत्र वन्यजीवों के लिए प्राकृतिक आवास प्रदान करते हैं और देश के दूर-दूर से आए पर्यटकों को प्रकृति के समीप आने का एहसास कराते हैं। सांस्कृतिक दृष्टिकोण से नंदन वन भारतीय लोककला, संगीत और साहित्य की प्रेरणा का भी स्रोत है। यहां के प्राकृतिक सौंदर्य और शांति ने अनेक रचनाकारों को अपनी रचनाएं लिखने के लिए प्रेरित किया है। नंदन वन प्रकृति के संतुलन और सौंदर्य का संरक्षण करता है। यह हमें याद दिलाता है कि प्रकृति आनंद का स्रोत है। यह इसके उपभोग का जरिया नहीं है। जैव विविधता का संरक्षण, जलवायु संतुलन और वृक्षारोपण की भावना इसी नंदन वन की संस्कृति का हिस्सा है।

कई रचनाओं में है उल्लेख

चाहे वेदों, पुराणों में वर्णित नंदन वन हो या आज भारत के कई क्षेत्रों में स्थित अलग-अलग नंदन वन, सभी का उद्देश्य पृथ्वी के सौंदर्य और प्राकृतिक संपन्नता से है। इनका वर्णन कई रचनाकारों ने किया है। किसी कवि ने लिखा है- *वृक्ष वंदन हों, नदियां गान करें/ और मन में निर्मल आनंद बहे/ तो समझो हम नंदन वन में हैं।* कुछ इसी प्रकार प्रसिद्ध कवि जयदेव के 'गीत गोविंद' में नंदन वन का रूपक मिलता है। इसी तरह अनेक लोकगीतों में नंदन वन का आनंद जैसी पंक्तियां आती हैं। इसलिए यह केवल एक स्थान नहीं बल्कि मन और आत्मा को दिव्य अनुभव देता है। इसलिए आज यह हमारी जिम्मेदारी है कि नंदन वन के महत्व को समझें, उसके संरक्षण का प्रयास करें। *

देश में और भी हैं नंदन वन

जहां तक हम पुराणों में उल्लिखित नंदन वन की कल्पना करते हैं, तो वह अकेला नंदन कानन वन क्षेत्र ही नहीं है। बल्कि देश के कई अलग-अलग क्षेत्रों में मौजूद कुछ वनों को भी प्राचीन काल से नंदन वन ही कहा जाता रहा है। एक नंदन वन का रिश्ता छत्तीसगढ़ के नंदन वन जैव उद्यान से है, जो कि वहां की राजधानी रायपुर में स्थित है। छत्तीसगढ़ का यह नंदन वन 202 हेक्टेयर में फैला है और यहां भी बाघ, शेर, भालू, हाथी, मोर, मगरमच्छ जैसी जीव प्रजातियों का घर है। इस आधुनिक नंदन वन का उद्देश्य जैव विविधता को संरक्षण देना और पर्यावरण के साथ-साथ ग्रीन टूरिज्म को बढ़ावा देना है। इसके साथ ही देश के एक और पहाड़ी क्षेत्र में ऐसा ही नंदन वन स्थित है। यह उत्तराखंड में स्थित है और यह भी हिमालयी क्षेत्र का प्राकृतिक उद्यान है। इसके परिक्षेत्र में आने वाले कई क्षेत्र जैसे कौसानी, रानीखेत, औली आदि में लोग इसे नंदन वन ही पुकारते हैं। यहां की सुंदरता, देवदारों की सुगंध और हिमालय का वैभव, इस वन क्षेत्र को एक दिव्यता प्रदान करता है।

आज की भागदौड़ भरी जीवनशैली ऊपर से नकारात्मकता, असुरक्षा, डर का माहौल। ऐसे में चिंता, तनाव या भ्रम की स्थिति होना स्वाभाविक है। इस स्थिति को कैसे हैंडल करें कि आप हैप्पी-कूल रह सकें? आपके लिए उपयोगी सलाह।

लाइफस्टाइल
शिखर चंद जैन

चिंता-तनाव को करें दूर
रहें हमेशा टेंशन-फ्री

वर्तमान समय में हर किसी की जिंदगी में कशमकश, तनाव और चिड़चिड़ापन व्याप्त है। हिंसा, चोरी, ठगी, अन्याय या प्रतिशोध जैसी घटनाएं आम होती जा रही हैं। जिस तरह आज के दौर में नकारात्मकता, हिंसा और वैचारिक प्रदूषण नजर आ रहा है, ऐसा पहले नहीं था। ऐसे में व्याकुलता, झुंझलाहट या भ्रम की स्थिति उत्पन्न होना स्वाभाविक ही है। यह सच है कि दूसरों के विचारों, उनके क्रियाकलापों पर आपका नियंत्रण नहीं है, लेकिन कुछ छोटी-छोटी बातें अपना कर आप स्वयं को शांत, खुश और संयत रख सकते हैं।

किसी अजनबी की तारीफ करें: न्यूयॉर्क टाइम्स में प्रकाशित एक अध्ययन की रिपोर्ट बताती है कि किसी अजनबी द्वारा की गई साधारण सी तारीफ भी न केवल किसी का दिन बना सकती है बल्कि उस व्यक्ति के आत्मविश्वास में भी इजाफा कर सकती है। आप ऐसा करेंगे तो न सिर्फ अजनबी को बल्कि आपको भी खुशी मिलेगी। आप लोगों के साथ ऐसा व्यवहार करेंगे तो वहां उपस्थित दूसरे लोग भी यकीनन आपके साथ सकारात्मक व्यवहार करेंगे। मैसाचुसेट्स इंस्टीट्यूट आफ टेक्नोलॉजी की एक्सपर्ट डॉक्टर डेबोरा ब्लम ने अपनी रिपोर्ट में यह भी कहा है कि अजनबियों के साथ दोस्ताना व्यवहार से आप बेहतर महसूस करते हैं।

कम गहरे रिश्तों को दें महत्व: हमें अपने सामाजिक और व्यक्तिगत संबंधों का दायरा कुछ बेहद खास, गिने-चुने लोगों तक ही संकुचित नहीं रखना चाहिए। नए दोस्तों को अपने जीवन में शामिल करना फायदेमंद होता है। ये नए रिश्ते न केवल हंसी-खुशी में योगदान करते हैं बल्कि कई तरह की मानसिक जरूरतों को भी पूरा करते हैं। कम गहरे रिश्ते में एक-दूसरे से बड़ी-बड़ी उम्मीदें, ईर्ष्या और कुंठा की संभावनाएं भी कम होती हैं। इससे मन कम आहत होता है।

विचारों का विश्लेषण करें: विचारों का हमारे तन-मन पर गहरा असर पड़ता है। जब बहुत सारे विचार उलझ गए हों और आप परेशान रहने लगे हों तो विचारों का एनालिसिस शुरू करें। हर दिन की समाप्ति पर अपने विचारों को तीन भागों में बांट लें। प्रेरक, सामान्य और नकारात्मक। नकारात्मक विचारों को दूसरे नजरिए से देखें-सोचें। इसे ऐसे सोचें, 'यह सब मेरे नियंत्रण में नहीं। लेकिन मैं सावधान रहूंगा और गलत चीजों से दूर रहूंगा।'

खुद को शक्तिशाली समझें: अकसर लोग आस-पास के कोलाहल, अव्यवस्था आदि से घबरा जाते हैं या भयभीत हो जाते हैं। मनोवैज्ञानिक कहते हैं कि हमें स्वयं को सक्षम, समझदार और शक्तिशाली समझना चाहिए। इससे व्यवहार में सकारात्मक परिवर्तन आते हैं और दुनिया की वास्तविकताओं का हम सामना कर पाते हैं। इससे हम भ्रम, भय और संशय से मुक्त रहेंगे।

रोज कुछ अच्छा देखने का प्रयास करें: आपको अच्छी चीजें खोजने, उन्हें देखने और महसूस करने की आदत डालनी चाहिए। 'एंज्वॉइंग एवरीडे ब्यूटी' पुस्तक में इस संदर्भ में बहुत अच्छी बात कही गई है- यदि आप आस-पास की छोटी चीजों में सौंदर्य खोजने लगें तो यह आपके जीवन को सकारात्मकता और आनंद से भर सकता है।

सूचनाओं का एक्सपोजर कम करें: बहुत सारी सूचनाएं देखकर, पढ़-सुनकर भी हमारा मन नकारात्मक और अशांत हो जाता है। हमें अपने मतलब और काम भर की सूचनाओं पर ही फोकस करना चाहिए। यहां बताई गई इन बातों का ध्यान रखकर आप चिंता और तनाव से मुक्त रह सकते हैं। *

विंटर एसेसरीज
विवेक कुमार

ये ट्रेंडी-स्टाइलिश ग्लव्स देंगे
हॉट फील-कूल लुक

सर्दी के मौसम में ठंड से बचने के लिए गर्म ड्रेसेस, एसेसरीज तो सभी कैरी करते हैं। लेकिन यंगस्टर्स उसमें भी ऐसी चीजों को प्रेफर करते हैं, जो उन्हें स्टाइलिश लुक भी दे। इसीलिए विंटर ग्लव्स अब सिर्फ यंगस्टर्स के हाथों को गर्म रखने वाली एसेसरीज नहीं हैं बल्कि ये विंटर सीजन के लिए उनके स्टाइल स्टेटमेंट बन चुके हैं। बाजार में उपलब्ध ग्लव्स के नए-नए डिजाइन, टेक फ्रेंडली फैब्रिक और स्पोर्टी अर्बन लुक भी इनकी बढ़ती पॉपुलैरिटी का कारण है।

फैशनेबल दिखाएं: इन दिनों बाजार में अनेक तरह के ग्लव्स मिल रहे हैं, जो विशेष तौर पर फैशन पसंद युवाओं के लिए सर्दी का खास पहनावा बन गए हैं। विंटर ग्लव्स की बढ़ती डिमांड के कारण आजकल बाजार में विंटर ग्लव्स की बहार आई हुई है। डबल लेयर्ड, वाटर रेसिस्टेंट और विंड प्रूफ मैटेरियल से बनने वाले विंटर ग्लव्स इन दिनों युवाओं के एसेसरीज नंबर-वन बने हुए हैं।

हाथों को देते हैं गर्माइश: सर्दी के मौसम में हथेलियों में ठंड लगने की वजह से कोई भी काम करने में असुविधा होती है। हाथों को सर्दी से बचाने के लिए नरम ऊन, फ्लीस या न्यूट्रिन से बने ग्लव्स न केवल हाथों की गर्मी को अंदर ही कैद रखते हैं बल्कि यह बाहरी ठंड को भी अंदर नहीं घुसने देते। कहने का मतलब, ये ग्लव्स सर्दियों में हाथों को भरपूर गर्माइश देते हैं। शहरी युवाओं के बीच ये ग्लव्स फैशनेबल एसेसरीज के रूप में जाने जाते हैं।

टच स्क्रीन ग्लव्स: आज के दौर में मोबाइल या लैपटॉप हमारे कामकाजी जीवन के साथ-साथ डेली लाइफस्टाइल का महत्वपूर्ण हिस्सा बन चुका है। इसी बात को ध्यान में रखते हुए बाजार में अब ऐसे ग्लव्स भी मिल रहे हैं, जिनको पहनकर आप अपने मोबाइल, टैब और लैपटॉप को आराम से ऑपरेट कर सकते हैं। ये टच स्क्रीन फ्रेंडली ग्लव्स, युवाओं में बेहद लोकप्रिय हैं। इन ग्लव्स में अंगूठे और तर्जनी पर विशेष किस्म के कंडक्टिव फाइबर की वजह से इन्हें पहनकर मोबाइल, स्मार्ट वाच या टैबलेट को आसानी से चलाया जा सकता है। कॉलेज गोइंग स्टुडेंट्स, कैब ड्राइवर, डिलिवरी ब्वॉय और आईटी सेक्टर में काम करने वाले युवाओं के लिए यह पहली पसंद है।

बाइक राइडर के लिए: सर्दियों में बाइक चलाते समय ठंडी हवा के तेज झोंके हाथों को सुन्न कर देते हैं, जिसके कारण हैंडल को नियंत्रित करने में मुश्किल आती है। इसलिए पाम गार्ड ग्लव्स, लेदर ऑल सीजन ग्लव्स और ग्रिप एनहैंस ग्लव्स की भी सर्दियों में जबर्दस्त मांग होती है। इस बार बाजार में रिफ्लेक्टिव स्ट्रिप्स, एंटी स्लीप टेक्सचर और थर्मल पैडिंग वाले ग्लव्स बाइक चलाने वाले युवाओ की जबरदस्त पसंद बने हुए हैं। *

राज कपूर का जिक्र किए बिना हिंदी सिनेमा की बात अधूरी ही रहेगी। केवल अभिनय में ही नहीं, फिल्म निर्माण और निर्देशन में भी उनका अंदाज सबसे निराला था। उनकी कई फिल्मों को क्लासिक का दर्जा हासिल है। राज कपूर की जयंती (14 दिसंबर) पर हिंदी फिल्मों में उनके योगदान पर एक नजर।

अनोखे फिल्मकार-लाजवाब अभिनेता थे हिंदी फिल्मों के पहले शोमैन राज कपूर

यादें / मनोज प्रकाश

हिंदी फिल्मों के ज्यादातर दर्शक थिएटर इस उद्देश्य से जाते हैं कि वे रुपहले पर्दे के सामने बैठकर कुछ देर के लिए बाहर की दुनिया को भूलकर सिनेमा के संपूर्ण मनोरंजन में डूब जाएं। दर्शकों की इस सोच और कसौटी पर पूरी तरह खरी उतरती हैं राजकपूर की फिल्में।

'शोमैन' से कहीं आगे

राजकपूर को हिंदी सिनेमा का पहला 'शोमैन' कहा जाता है, लेकिन उनकी शख्सियत इससे भी कहीं बढ़कर थी। उन्होंने जितनी भी फिल्में बनाईं, सभी में दर्शकों को हर प्रकार से भरपूर मनोरंजन मिला। उन्होंने संदेशपरक फिल्में भी बनाईं, उनकी ऐसी फिल्मों की कहानी और उसका प्रस्तुतिकरण भी लाजवाब हुआ करता था। संगीत, गीत, लोकेशन हो, चाहे फिल्म में काम कर रहे अभिनेता-अभिनेत्री हों या फिर विलेन ही क्यों न हों, सभी को देखकर लगता ही नहीं कि हम कोई सिनेमा देख रहे हैं। नायक-नायिका से लेकर फिल्म के सभी पात्र, यहां तक कि फिल्म की कहानी भी आस-पास के ही होने का अहसास कराते थे। यह प्रभाव, यही जादू था राजकपूर की फिल्मों का।

फिल्म मेकिंग की हर विधा में माहिर

राज कपूर फिल्म निर्माण के हर पक्ष में माहिर थे। बात अभिनय की हो, गीत-संगीत चुनने की, नायक-नायिका के ड्रेस सेलेक्शन की, लोकेशन डिसाइड करने की, कहानी समझने या निर्देशन कौशल की बात हो या फिर कैमरामैन के साथ बैठकर फिल्मांकन कराना, हर जगह उनकी एक स्पेशल छाप दिखती थी। उनकी यूनिट में शामिल क्लैप ब्वॉय से लेकर पर्दे के पीछे तक रहने वालों तक पर वह पैनी नजर रखते थे। आज भी एक्टर्स-डायरेक्टर्स उनके एक्टिंग और डायरेक्शन की बारीकियां देखते हैं, सीखते-समझते हैं, उनसे इंस्पायर होते हैं। आज भी जब-तब फिल्मों में राज कपूर का प्रभाव नजर आ जाता है।

फिल्म 'आवारा' में राज कपूर का अंदाज था निराला

'मेरा नाम जोकर' में राज कपूर ने किया शानदार अभिनय

दी कई यादगार फिल्में

1935 से लेकर 1988 तक राजकपूर ने 70 फिल्मों में अभिनय किया। 17 फिल्मों का निर्माण और 10 फिल्मों का निर्देशन किया। इन फिल्मों में से कुछ को छोड़कर राज कपूर की ज्यादातर फिल्मों की गिनती आज भी हिंदी सिने जगत की बेहतरीन फिल्मों में होती है। फिल्म 'मेरा नाम जोकर', शुरुआत में नकारी गई, लेकिन बाद में इस फिल्म ने तीन नेशनल अवार्ड जीतकर बता दिया कि जोकर ताश की गड्डी का सरताज होता है और किसी को भी मात दे सकता है। फिल्म का वह गीत 'अपने पे हंस के, जग को हंसाया, बन के तमाशा मेले में आया' आज जब हर कहीं दूसरे को रुलाने का दौर है, तब खुद पर हंसकर दूसरे को हंसाने वाले 'जोकर' की प्रासंगिकता समझ में आती है।

मिला भरपूर मान-सम्मान

राज कपूर ने अपने पिता पृथ्वीराज कपूर की लिगेसी को न सिर्फ कायम रखा बल्कि इसे आगे भी बढ़ाया। अपनी आने वाली पीढ़ियों के साथ-साथ पूरे हिंदी फिल्म जगत के लिए एक समृद्ध विरासत छोड़कर गए राज कपूर। एक तथ्य यह भी है कि कपूर फैमिली के तीन सदस्यों को दादा साहेब फाल्के अवार्ड से सम्मानित किया गया है। पृथ्वीराज कपूर, राज कपूर और शशि कपूर, दादा साहेब फाल्के से सम्मानित हो चुके हैं। राजकपूर को पद्मभूषण से भी सम्मानित किया गया था। इसके अलावा उन्हें तीन राष्ट्रीय पुरस्कार और ग्यारह फिल्मफेयर अवाड्र्स सहित कई अन्य पुरस्कार प्राप्त हुए। उनकी फिल्मों के गाने आज भी शादी-विवाह एवं अन्य अवसरों पर गाए-बजाए जाते हैं। 'मेरा जूता है जापानी...फिर भी दिल है हिंदुस्तानी' तो एक समय में पूरे देश में सुना जाता था और लोग उसे खूब गाते-गुनगुनाते थे।

फिल्माए यादगार गीत-दृश्य

राज कपूर की फिल्मों के कई गीत और उनके दृश्य आज भी दर्शकों के मन पर अंकित हैं। घर में आटा गूंथती स्त्री के माथे पर आने वाली लटें, 'हम तुम एक कमरे में बंद हों', 'झूठ बोले कौआ काटे', 'आवारा हूं या गर्दिश में हूं आसमान का तारा हूं', 'जीना यहां मरना यहां, इसके सिवा जाना कहां', 'कहता है जोकर सारा जमाना, आधी हकीकत आधा फसाना', 'सुन साहिबा सुन' जैसे तमाम गीत और इनके लोकेशंस आज भी भुलाए नहीं भूलते! ये वो सदाबहार गीत हैं, जो आज भी लोगों की जुबान पर आते रहते हैं और सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म्स पर ट्रेंड भी करते रहते हैं।

अंदाज था निराला

राज कपूर के फिल्मांकन में निरालापन हर कहीं देखा जा सकता है। उनकी फिल्मों में हास्य की बात करें तो वहां फूहड़ता नहीं, एक किस्म की निश्छलता और भोलापन दिखता है। पर्दे पर उनकी निश्छल हंसी सभी का मन मोह लेती और हंसाती, गुदगुदाती थी। कई बार हंसाते-हंसाते रुलाती भी थी। इस मामले में राज कपूर की तुलना अकसर चार्ली चैपलिन से की जाती है।

तमाम आलोचनाओं के बावजूद इस बात से इनकार नहीं किया जा सकता कि 'सत्यम शिवम सुंदरम', 'राम तेरी गंगा मैली', 'श्री चार सौ बीस', 'आवारा', 'जागते रहो', 'बरसात', 'आग' जैसी फिल्में और इनके कुछ दृश्य 'क्लासिक' हैं। सामाजिकता को अपनी फिल्मों का विषय बनाकर उसे मनोरंजन के साथ पेश करना और रोमांटिक सींस में भी पवित्र प्रेम को दिखाना सिर्फ राज कपूर के द्वारा ही संभव था। *